

सर्व धर्म के शास्त्रों के अभिप्राय

भारत में विद्यमान
प्रमुख धर्मों के शास्त्रों के
मूलभूत पाठों की साक्षियाँ

सभी के सभी धर्मशास्त्र
गंदे प्रसार तंत्र के खिलाफ

युवा जागरण मंच
अखिल भारतीय संस्कृति रक्षक दल (भारत)

= संकलन =

अहो ! श्रुतम्

बाबुलाल सरेमल

मोबाइल - 94265 85904 / E-mail : ahoshrut.bs@gmail.com

मार्च, २०२१

माघ, २०७७

MISSION SWACHH CYBER BHARAT

**प्रसरतंत्रनी गंडडीने
दूर डरवानो पुरुभायं**

हिन्दी + गुजराती

अहो श्रुतम्
शा. बाबुलालजो सरेमलजो
सिद्धायल, अेन्स स्कुल सामे,
हीरा जैन सोसा.साबरमती,
अमदावाड - ३८०००५
पोष , वि. २०११

Contents

[2] नागरिक पत्र	5
[3] वैदिक गुरु/अग्रणी पत्र	7
[4] स्वामीनारायण गुरु/अग्रणी पत्र	12
[5] मुस्लिम गुरु/अग्रणी पत्र	17
[6] जैन गुरु/अग्रणी पत्र	21
[7] पत्र	25
समग्र भारत के सी.ए. महानुभवों को	25
समग्र भारत के इंजिनियर महानुभवों को	26
समग्र भारत के टिचर्स महानुभवों को	27
समग्र भारत के प्रिन्सीपाल - आचार्य महानुभवों को	28
[8] FROM - आप शिक्षण संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं	30
[8.1] FROM - आप ज्ञाति - समाज संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं	30
[8.2]	31
FROM - आप नारीवादी संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं	31
[8.3]	32
FROM - आप एक संसदसभ्यके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं	32

[8.4] FROM - आप एक MLAके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं.....	33
[8.5].....	34
FROM – आप एक कोर्पोरेटरके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं.....	34
[8.6] FROM - आप एक क्लबके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं.....	35
[8.7] FROM - आप अपनी संस्थाके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं.....	36
[10] समस्त भारत के तंत्री महोदयो को.....	37
[11] क्याँ इस देश में कोई नारीवादी संस्था हि नहीं है ?.....	41
[12].....	45
विश्व का एक भी धर्म प्रसारतंत्र की गंदगी का समर्थन नहीं कर रहा है 	45
[13] माता-पिता द्रष्टीकोश.....	50
[14] परिवार द्रष्टीकोश.....	54
[15] वैदिक द्रष्टीकोश.....	70
[16] शीष – जौद्ध द्रष्टीकोश.....	86
[17] ख्रिस्ती द्रष्टीकोश.....	88
[18] इस्लाम द्रष्टीकोश.....	90
[19] गालीयोनी सहाई.....	98
[20] गंदकी सहाई.....	110

समर्पणम्

संस्कारों की रक्षा के लिए और
भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए
अपने सुख चैन की उपेक्षा करके
भारतभर की जनता की
सर्वांगीण हित कामना करते हुए
साइबर स्वच्छता के मिशन में
अपना अस्तित्व समर्पित करने वाले
प्रत्येक देश भक्तों को



AN APPEAL FOR SWACHH CYBER BHARAT

भारत वर्ष के समग्र नागरिकों को

नमस्ते - प्रणाम - सलाम ।

आप कुशल मंगल होंगे ।

आप सभी के हित की रक्षा के लिये

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिये चिंतित होकर

मैं आप से बहुत ही दर्दभरी अपील कर रहा हूँ ।

वर्तमान में मीडिया का कुछ हिस्सा

बिलकुल बेलगाम बनकर

दिन - रात हमारे घरे में

हमारे परिवार के सदस्यों में

गंदी गालियाँ, व्यभिचार, गंदे संवाद

एवं अश्लीलता की गंदगी डाल रहा है,

जिस पर कोई भी नियंत्रण नहीं है,

हमारे संतान रात को 8 - 8 या 10 - 10 घंटो तक

इसी गंदगी में व्यस्त रहकर

अपने शरीर को खोखला कर रहे हैं,

विचित्र रोगो को आमंत्रण दे रहे हैं,

मन को अत्यंत विकृत बना रहे हैं,

पढाई, धंधा, नौकरी, रोजगार

सब कुछ बरबाद कर रहे हैं ।

जो हमारे देश के एक भी धर्म में या समाज में सम्मत नहीं है

जो हमारे संस्कार से बिलकुल विरुद्ध है

जो हमें आर्थिक - पारिवारिक - सामाजिक - शारीरिक

और मानसिक बरबादी की ओर ले जा रहा है,

जो अल्प ही समय में सबकुछ तबाह कर देने वाला है,

उसे भला हम मौन रहकर कैसे सहन कर सकते हैं ?

क्याँ कुछ चँद लोगो की जेब भरने के लिये

हमारा घर और पुरा देश खतम कर देना जरुरी है ?

हम आपसे अनुरोध करते हैं

कि आप स्वयं स्वच्छ सायबर आंदोलन के प्रेरक बने

और सिग्नेचर मिशन में Min. 1000 व्यक्ति को जोडे ।

धन्यवाद ।

प्रति

आदरणीय श्री

विषय: भारतीय संस्कृति के मूल्यों और नारी सन्मान की रक्षा के लिए बिन - सेन्सर गंदे गलीच मीडिया ऊपर नियंत्रण लागु करने हेतु

समस्त भारत वर्ष के महामहिम

शंकराचार्यो/ पीठाधीशो/ मठाधीशो / कुलपतिओ एवं

संतो महंतो के पर पावन चरण कमलो में हमारा श्रद्धापूर्ण नमस्कार समर्पित। समस्त हिंदु अग्रणीओं को प्रणाम आप कुशलमंगल होंगे।

कलिकाल में भी आप जैसे महापुरुषो की उपस्थिति

हमारे मन में आनंद का संचार करती है।

पवित्र वैदिक परंपरा के प्रति आप की भक्ति

और निरंजन तत्व की उपासना वास्तव में ही

समग्र संसार को एक आलंबन दे रही है।

हम आपकी शरण में एक दर्दभरी प्रार्थना लेकर उपस्थित हुए हैं।

एक सतयुग का कंस था।

जो भगवान श्रीकृष्ण को खत्म करने की कसम खा चुका था।

आज कलियुग में वल्गर मीडिया नाम का कंस उठा है,

जो गीताजी के उपदेश - स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश देह को हत प्रहत करने के लिए ये मैदान में उतरा है।

वल्गर मीडिया गालियाँ सीखा रहा है, व्यभिचार सीखा रहा है,

बेशर्मी सीखा रहा है, नंगापन सीखा रहा है,

यह सब गीताजी के उपदेशो का अपमान

और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति विद्रोह नहीं तो और क्या है ?

एक सतयुग का दुर्योधन था ।
 जिसने द्रौपदी की मजाक उड़ाया था ।
 और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था,
 आज गंदा मीडिया कलियुग का दुर्योधन बन रहा है ।
 जो नारीसम्मान की खुलेआम धज्जिया उडा रहा है
 एक सतयुग का दुःशासन था
 जिसने भरसभा में द्रौपदी का वस्त्राहरण करने का प्रयास किया था,
 आज गंदा - गलीच वल्गर मीडिया करोडो दर्शको के सामने बेलगाम वस्त्राहरण
 प्रदर्शित करता जा रहा है,
 एक सतयुग का रावण था,
 जिसने भगवती सीताजी का हरण किया था,
 आज गंदा मीडिया कलियुग के रावण के रूप में उभर रहा है
 जो हमारी लाखों - करोडों बेटियों का
 हमारा पवित्र मर्यादाओं का और
 हमारी भारतीय संस्कृति का भयानक रूप से हरण कर रहा है ।
 और इन सब को बुरी तरह बरबाद कर रहा है ।
 बिन सेन्सर, बेलगाम, बेकाबु मीडिया
 भगवान श्रीराम और पवनपुत्र हनुमानजी का भी बुरी तरह अपमान कर रहा है,
 जो कि "A Suitable Boy" नाम की Filmमें
 प्रत्यक्ष रूप से देख सकते हैं,
 इतना घोर अपमान होने पर भी
 हिंदु जनता मौन है,
 और अभी तक कोई दंड तो नहीं किया गया,
 वह Film भी डिलिट नहीं की गई है
 वह हमारे लिये शर्म की बात है ।
 यह गंदा मीडिया, जो गालियाँ - व्यभिचार और
 विकृतियाँ सीखा रहा है,
 वह यदि सच है
 तो हमें हमारे वेद, पुराण, उपनिषदों, भागवत, रामायण,
 महाभारत आदि धर्मग्रंथों पर पुनःविमर्श करना होगा,

जिसके लिये हम मरते दम तक सम्मत नहीं हैं।

इतने उल्लास के साथ

हमने राममंदिर के निर्माण का प्रारंभ किया, क्यों ?

भगवान श्रीराम की प्रतिष्ठा पर पूरा भारत वर्ष उत्सव मनायेगा, आखिर क्यों ?

भगवान श्री राम के मंदिर व मूर्ति की प्रतिष्ठा

उनके आदर्शों की प्रतिष्ठा के लिये है,

सदाचार श्रीराममंदिर की आध्यात्मिक नाँव है,

शील श्रीराम मंदिर का आंतरिक शिलान्यास है,

मर्यादा श्रीराम मंदिर की गुणात्मक दीवारे हैं,

पवित्रता श्रीराम मंदिर की भीतरी पीठिका है,

परस्त्री माता समान - जैसे आदर्श श्रीराम मंदिर का जीवीत गर्भगृह है,

कुण्डले नाभिजानामि - जैसे चरित्र श्रीराम मंदिर का मूर्तिमंत गुम्बज है,

शिष्टाचार श्रीराम मंदिर का शिखर है,

नैतिकता श्रीराम मंदिर पारमार्थिक की अंतरंग शोभा है,

पवित्र भारतीय संस्कृति श्रीराम मंदिर की दिव्य धजा है।

मंदिर और मुर्ति भगवान के आदर्शों और उपदेशों की

सुरक्षा एवं पालना के लिये होते हैं।

आज यह सारा का सारा आध्यात्मिक राममंदिर

वल्गर मीडिया के द्वारा खुलेआम तोड़ा जा रहा है,

और हम सब खामोश हैं,

इससे बड़ी और दुःखद घटना और क्यों हो सकती है ?

यदि हम इस समय बुलंद आवाज से

इस आधुनिक कंस और आधुनिक रावण को

विरोध में खड़े न हुए तो

इन सभी नुकसानों का हमें सामना करना होगा -

1. हजारों - लाखों गालियाँ सुनते सुनते, हमारे करोड़ो घरों में गंदी से गंदी गालियाँ बोलना शुरू हो जायेगी। जिन्हें श्रवण बनाना था वे हमारी संताने अपने माता पिता को भी गंदी गालियाँ सुनाने लगेंगी।
2. दिन - रात गंदे प्रोग्राम्स देखते देखते हमारी प्रजा शरीर और मन दोनों से बरबाद हो जायेंगी।
3. मा - बेटा, पिता - पुत्री, दादा - पोती जैसे पवित्र संबंध भी पवित्र नहीं रहेंगे, आये दिन अखबारों में ऐसे अत्यंत गंदे यौन अपराधों की खबरें आती रहती हैं, यदि इस गंदे मीडिया पर सख्त पाबंदी नहीं लगायी गयी, तो ये अपराध निश्चित रूप से हजारोंगुना बढ़ जायेंगे।
4. भारतीय संस्कृति का स्वस्थ पारिवारिक जीवन, शालीन शिष्ट वस्त्रपरिधान यह सब कुछ एक इतिहास बन के रह जायेगा।
5. नयी पीढ़ी हमारे वंदनीय भगवानों एवं उनके पवित्र उपदेश शास्त्रों और चरित्रग्रंथों की मजाक उड़ायेगी।
6. दिन - रात गंदे प्रोग्राम्स देखने में व्यस्त हमारी प्रजा रोजगार गँवा देगी और आर्थिक रूप से भी बरबाद हो जायेगी।
7. हमारे पवित्र धर्मस्थान, तीर्थस्थान वगैरह व्यभिचार के अड्डे बन जायेंगे, गुंडे लोग उस पर कब्जा कर लेंगे और परमात्मा की उपासना के बजाय वहाँ अनेक दुराचार शुरू हो जायेंगे। अतः दिमाग सड़ जाने के बाद आसपास के लोग किसी भी तरह अपनी वासनापूर्ति करेन्गे।
8. हमारा पवित्र भारत वर्ष पश्चिमी गंदगीओं का शिकार बन जायेगा, हिन्दुत्व का BOX तो शायद बचेगा लेकिन उसके अंदर की JEWELLERY गायब हो गयी होगी।
9. हमारे देश में यौन - अपराध, नारी शोषण, खून, चोरी, महँगाई, बेकारी, भूखमरा, वगैरह में प्रबल वृद्धि होगी, परिवार - समाज - देश सब कुछ टूट - फूट जायेगा। पुलिस कोर्ट सभी थक जायेंगे, उग्र दंड व्यवस्था करने पर भी अपराध लगातार बढ़ते ही जायेंगे।

हमारा प्रश्न है कि

- * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये हमें भारतीय संस्कृति का वस्त्राहरण कबूल कर देना चाहिये ?
- * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये

- हमें हमारे भगवान के पवित्र उपदेशों की धज्जिया उड़ाने देनी चाहिये ?
- * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये
हमें हमारे भौतिक राममंदिर से भी अधिक मूल्यवान
हमारे आध्यात्मिक राममंदिर को तोड़ते रहने की
सम्मति दे देनी चाहिये ।
 - * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये
हमें हमारे पवित्र धर्मशास्त्रों से बिलकुल विरुद्ध प्रचार
होने देना चाहिये ?
 - * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये
हमें हमारे घर में दिन - प्रतिदिन
अत्यंत गंदी गालियाँ सुनते रहनी चाहिये ?
 - * क्याँ कुछ चँद लोगों की जेब भरने के लिये
हमें हमारे घर की पारिवारिक, शारीरिक, मानसिक
और आर्थिक बर्बादी को अपना लेनी चाहिये ?

यदि ना, तो आप से हमारा विनम्र अनुरोध है कि आप इस बिन - सेन्सर
गंदे गलीच मीडिया के खिलाफ खड़े कार्यवाही के लिये भारत सरकार को
जागृत करे, आप इस देश के विशिष्ट अग्रणी हैं, आप इस कार्य के लिये सुसमर्थ
हैं, आपका प्रयास महान परिणाम ला सकता है ।

हमारी आपसे पुनः पुन बिनंती है, आप इस मिशन को अपने सशक्त
कँधों से उठाते, भारतीय संस्कृति के प्रति यह आपका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा ।

सादर

भवदीय

[4] સ્વામીનારાયણ ગુરુ/અગ્રણી પત્ર

અક્ષર પુરુષોત્તમ શ્રી સ્વામિનારાયણ ભગવાનના
પવિત્ર માર્ગે ચાલતા
સમસ્ત સંતો તથા અગ્રણી ભક્તજનોનું
સાદર અભિવાદન.

આપ સહુ કુશળ મંગલ હશે

આપ સહુ વ્યસનમુક્તિના પ્રયાસો દ્વારા સમસ્ત જનતામાં સત્સંસ્કારોનું
આધાન કરી રહ્યા છો અને સમસ્ત સમાજમાં સદ્ગુણોના પ્રસાર માટે પ્રયત્નશીલ
છો. તે ખરેખર આનંદનીય છે.

આજે આપશ્રીની સમક્ષ એક દર્દભરી પ્રાર્થના સાથે અમે ઉપસ્થિત થયા છીએ.
આપણે સહુએ અને આપણા પૂર્વજોની પવિત્ર પરંપરાએ વર્ષોના વર્ષો સુધી સખત
પરિશ્રમ કરીને જનતાને સંસ્કારી બનાવવા અગણિત પ્રયાસો કર્યા છે. આજે એ
બધા જ સંસ્કારોનો અગ્નિસંસ્કાર થઈ જાય એવું એક ભયંકર આક્રમણ આવ્યું છે.
જેનું નામ છે વલ્ગર મીડિયા.

જેમાં કથા, દશ્ય કે સંવાદો પર કોઈ જ જાતનું સેન્સર નથી. પ્રાદેશિક કલાકારો ને
પ્રાદેશિક ભાષાઓ દ્વારા જે ઘરે ઘરે પહોંચી જવાની તૈયારીમાં છે. સતત ગંદામાં
ગંદી ગાળો, છેદી કક્ષાના વ્યભિચારો, ભાભી-દિયર, સસરા-વહુ સુધીના સંબંધોમાં
દુરાચારો, સતત ભયાનક અશ્લીલતા - આવું બધુ ખૂબ જ સારા ઘરોમાં પણ
રોજના કલાકો સુધી જોવાનું ચાલું થઈ ગયું છે. જેના કારણે એક કદી ભરપાઈ ન થઈ
શકે, એવું નુકશાન અને એવો સડો આકાર લઈ રહ્યો છે.

અક્ષર પુરુષોત્તમ ભગવાન શ્રી સ્વામિનારાયણના વચનામૃતો સાથે આ બધી
વસ્તુઓનો કોઈ જ મેળ નથી. ઉલ્ટુ એમનાથી તદ્દન વિરોધી આ બધી વસ્તુઓ છે.
જેને હકીકતમાં પવિત્ર સ્વામિનારાયણ સંપ્રદાયના વિરોધી સ્વરૂપ કહી શકાય.

આપ સહુ જાણો જ છો, કે વચનામૃતોમાં ગઢડા પ્રકરણના ૩૪, ૫૮, ૬૦, ૭૦, ૭૩, ૭૮... મા વચનામૃતોમાં શ્રીજી મહારાજે વૈરાગ્ય ને સદાચારનો ઉપદેશ આપ્યો છે. કામ, ક્રોધને લોભ એ નરકના દ્વાર છે. ઇત્યાદિ વચનામૃતો ખરેખર નેત્રદીપક છે.

શ્રીજી મહારાજના ગઢડા પ્રકરણમાં ૭૮ મા વચનામૃત પરની રહસ્યાર્થ પ્રદીપિકામાં ગૃહસ્થનું બ્રહ્મચર્ય દર્શાવ્યું છે કે...

પરસ્ત્રીનો સંગ ન કરવો ને મનમાં તેને વિષે સંકલ્પ ન કરવો, એકાંતમાં તેની સાથે ભાષણ ન કરવું, અને માર્ગમાં તેની સાથે એકલા આવવું નહીં અને કુદષ્ટિએ તેને જોવી નહીં, એવી રીતે પરસ્ત્રીનો ત્યાગ કરવો અને પોતાની સ્ત્રીનો પણ અનાસક્તિએ રહિત ઋતુ સામે સંગ કરવો તેમાં પણ એકાદશીએ તેના આગલા-પાછલા દિવસો તથા ભગવાનની જન્મતિથિઓ અનાદિકના દિવસોમાં પોતાની સ્ત્રીનો ત્યાગ રાખવો... આ ગૃહસ્થનું બ્રહ્મચર્ય છે.

આ સ્પષ્ટ ઉપદેશને જ્યારે જોઈએ અને બીજી બાજુ જ્યારે આ પરિસ્થિતિને જોઈએ ત્યારે ખરેખર એવું લાગે કે આપણા ભગવાનના બનાવેલા માર્ગ ઉપર બુલડોઝર ફેરવીને એને ખેદાનખેદાન કરવાનો પ્રયાસ થઈ રહ્યો છે.

અક્ષર પુરુષોત્તમ શ્રીસ્વામિનારાયણ ભગવાનના સારંગપુર પ્રકરણના ચોથા વચનામૃતમાં ત્યાં સુધી કહ્યું છે કે આઠે પહોર આત્માનો વિચાર કરીને એક ઘડી પોતાને દેહરૂપ માનીને સ્ત્રીનું ચિંતવન કરે એટલે એનો સર્વે વિચાર ધૂળમાં મળી જાય છે. જો કાંઈક થોડી ઘણી વાસના રહી ગઈ તો જેવા મોક્ષધર્મમાં નરક કહ્યા છે તેવા નરકની પ્રાપ્તિ થશે.

એક બાજુ આ વચનામૃત જોઈએ ને બીજી બાજુ માણસને સાવ જ જાનવર બનાવી દે એટલી હદે એની વાસના ભટકાવવાની પ્રવૃત્તિ તદ્દન બેરોકટોક ચાલી રહી છે એ જોઈએ ત્યારે ખરેખર હૃદય ચિરાઈ જાય છે.

શ્રીજી મહારાજે આ સિવાય પણ કારિયાણી પ્રકરણમાં ૧૧ મા વચનામૃતમાં લોયા પ્રકરણમાં ૧, ૬, ૧૦ આ વચનામૃતમાં, ગઢડા મધ્ય પ્રકરણમાં ૧,૩, ૬, ૮, ૬રમા વચનામૃતમાં, જેતલપુર પ્રકરણમાં ૨ જા વચનામૃતમાં અને ગઢડા અંત્ય પ્રકરણમાં પહમા વચનામૃતમાં જે વાસ્તવિકતા પર પ્રકાશ પાથર્યો છે તેને આધારે ચોક્કસ એમ કહી શકાય કે જો આજે શ્રીજીમહારાજ હયાત હોત તો બુલંદ અવાજ ઉઠાવીને આવા ગંદા મીડિયાના રાક્ષસને ભગાડી દેત.

ભગવાન હયાત હોત, આ શબ્દો પણ બરાબર નથી, ભગવાન તો આપણા સહુની ભીતરમાં છે જ ને ? આજે આપણે આની વિરૂદ્ધ અવાજ ઉઠાવીએ. તો આ બધું બિલકુલ ટકી શકે તેમ નથી.

જો આપણે આવું કશું ન કરી શક્યા તો આટલા નુકશાનોથી બચી નહીં શકાય.

- (1) આપણા સમાજના એક એક ઘરોમાં છૂટથી ગંદી ગાળો બોલવાનું ચાલુ થઈ જશે.
- (2) પવિત્ર સંબંધો સુદ્ધા ખરડાઈ જશે.
- (3) માણસ સાવ જ છેલ્લી કક્ષાએ ઉતરી ગયો હશે. જે આપણા મંદિર કે આશ્રમમાં પગ મૂકવા પણ લાયક નહીં રહ્યો હોય, ને એને આવવું પણ નહીં હોય.
- (4) કલાકો સુધી રાતોના ઉજાગરા કરી કરીને ક્યારેક ક્યારેક પોણી રાત કે આખી રાત પણ આ જ ગંદા મીડિયાના સંપર્કમાં રહેવાથી ભયંકર વીર્યનાશ થશે, શરીર ખોખલા બની જશે, મન સાવ જ વિફૂત થઈ જશે, પારિવારિક વહાદારીને જવાબદારી, ધંધા-નોકરી-રોજગાર આ બધું ય પડી ભાંગશે, એમાં ધર્મનો તો કોઈ અવકાશ જ નહીં રહે.
- (5) જાતીય અપરાધો અને તેની સાથે સાથે ખૂન, ચોરી, પોલિસ કેસો, કોર્ટ કેસો, ભયંકર આર્થિક બરબાદી, પારિવારિક ખુવારી, અત્યંત બદનામી આ

બધું જ સમસ્ત જનતામાં વધતું જશે, જેની અસરથી આપણો સમાજ કે અનુયાયી વર્ગ પણ બચી નહીં શકે.

- (6) આપણા ધામોની આજુ બાજુમાં રહેતા લોકોમાં દુરાચારો ભયંકર ગતિએ વધશે, પરિણામે આપણા ધામોના પણ દુરુપયોગો ચાલુ થશે, સંતો અને ભક્તોની પણ પવિત્રતા જોખમાશે, ધાર્મિક બદનામીને અટકાવી નહીં શકાય અને વર્ષોની મહેનત પર પાણી ફરી વળશે.

પેઢીઓથી આપણને માનતા-પૂજતા આવતા વર્ગની પણ નવી પેઢી આપણી પવિત્ર પરંપરાની અને પવિત્ર ગ્રંથોની મજાક ઉઠાવતી થઈ જશે, એ ધર્મ અને માનવીય જીવન બંનેથી ભ્રષ્ટ થઈ જશે. તેનો સીધો અર્થ ધર્મના ઉચ્છેદ સિવાય બીજો કોઈ જ નહીં હોય.

ભેખ, ભાણું અને ભાષા માટે આપણા સંતો વિદેશમાં પણ ઝડુમી રહ્યા છે, તેની બદલે તદ્દન નણ્ણતા, દારૂ-માંસ-ઈંડા વગેરે અભક્ષ્યોને ગંદામાં ગંદી ગાળાગાળી આપણા જ દેશમાં વ્યાપી જશે અને છેક આપણા ધર્મસ્થાનની બાજુમાં આવીને ઊભી રહેશે, ત્યારે કશું જ કરવાનો ઉપાય નહીં રહ્યો હોય.

સ્માર્ટ ફોન, ઈન્ટરનેટની વ્યાપકતા જોતા આ દૂષણોથી કોણ બચશે એ પ્રશ્ન છે. ત્યાગી વર્ગ પણ જ્યારે આની ઝપટમાં આવશે ત્યારે તે તે ધર્મસ્થાન આવનારા વર્ષો સુધી પોતાની ખ્યાતિ ગુમાવી બેસશે.

માનવ સ્વભાવની આ નબળી કડી છે કે જો આવું પ્રસારણ થતું રહ્યું તો એનાથી બચવું લગભગ અશક્ય છે, કરવાની જરૂર એટલી જ છે કે આ પ્રસારણ જ બંધ થઈ જાય. ઘણા દેશોએ આવું કરીને બતાવ્યું છે. અમે આપશ્રીને અંગત કોઈ સ્વાર્થ વિના આપશ્રીના ધર્મસ્થાન અને ધર્મીજનોની સુરક્ષા માટે વિનવણી કરીએ છીએ કે આપશ્રી હાલના તબક્કે આ મુદ્દે બુલંદ અવાજ ઊભો કરો જેથી આ અને બીજા પણ સેંકડો નુકશાનોથી દેશ અને સમાજને બચાવી શકાય પવિત્ર શિક્ષાપત્રીમાં દર્શાવેલ ગૃહસ્થના બ્રહ્મચર્યની અને સાધુના બ્રહ્મચર્યની રક્ષા કરવા માટે અને

શ્રીજી મહારાજે દર્શાવેલ નિષ્કામ શુદ્ધિના અત્યંત જરૂરી અને પવિત્ર માર્ગની રક્ષા કરવા માટે પણ આ દિશામાં પ્રબળ પુરૂષાર્થ કરવો એ આજના સમયની તાકીદની જરૂરિયાતો છે.

અક્ષરધામો એ આ સદીના ઉત્કૃષ્ટ સર્જનો છે. દેશ-વિદેશમાં એમની ખ્યાતી પ્રસરી રહી છે. કોઈ એમને ઉની આંચ લાવે તો આપણું લોહી ઉકળી જશે. એમાં આપણને ધર્મધ્વંસ અને ધર્મલોપ દેખાશે, પણ અક્ષરધામોની પ્રતિષ્ઠા પણ હકીકતમાં તો શ્રીજીમહારાજના આ બ્રહ્મ, સદાચાર, શિષ્ટાચાર, મર્યાદા, સતીત્વ અને પરમાત્માના કીર્તનસ્વરૂપ ભીતરી અક્ષરધામની પ્રતિષ્ઠા માટે જ ને ? આજે આ આધ્યાત્મિક અક્ષરધામ પર ભયંકર આક્રમણ થઈ રહ્યું છે જે હકીકતમાં ધર્મધ્વંસ અને ધર્મલોપ સિવાય બીજું કશું જ નથી.

આપશ્રી ખરેખર સમર્થ છો, જાહેર જનતાથી માંડીને દિલ્હીના સત્તાધીશો સુધીના સહુને આપના માટે આદર છે. વર્તમાન રાષ્ટ્રના આપશ્રી એક વિશિષ્ટ અગ્રણી છો - એવું કહેવામાં કોઈ જ અતિશયોક્તિ નથી. કરોડો લોકો સહિત સમસ્ત સ્વામિનારાયણ સંપ્રદાયના અનુયાયીઓને આ બધી જ બરબાદીઓથી બચાવી લેવા માટે આપશ્રી સુસમર્થ છો, આપશ્રીને ઘણી આશાઓ સાથે વિનંતી કરીએ છીએ કે આપશ્રી સર્વ શક્તિ સહિત એવા પગલા લોકો આવનારી સદીઓ સુધી ભારત દેશ આ ગંદકીથી મુક્ત બની જાય.

આપશ્રીનો હાર્દિક આભાર માનવા સાથે આ પત્રનું સમાપન કરું છું. લાગણીની આ ધારામાં કશું પણ અનુચિત કહેવાઈ ગયું હોય તો મિરછામિ દુક્કડમ્...

अल्लाह की इबादत में सब्र करते हुए अल्लाह के सभी फरिश्तों एवं बंदो को सलाम ।

खुदा के रास्ते पर इमान लाते हुए आप सभी की बंदगी और तकवा को हम सजदा करते हैं ।

आज समग्र पृथ्वी पर एक नया शैतानी आतंक मचा हुआ है, जिसका नाम के वल्गर मीडिया । अल्लाह के आदर्शों से बिलकुल विरुद्ध वल्गर मीडिया सारी दुनियाँ में खराबी फैला रहा है, जिसे हम बहुत ही खतरनाक काफिर कह सकते हैं ।

कुर्आन - शरीफ में जिन जिन बातों पर बहुत ही सखती से पाबंदी लगायी गइ है, उन बातों के लिये वल्गर मीडिया हमारी सभी कौमो को उक्सा रहा है । जैसे कि आप जानते ही है कि -

बदकारी - व्यभिचार के विरुद्ध में - कुर्आन शरीफ में सूः निसा की - 15,16,17,23,24,25,26 वी आयातो में

- * सूः माइदह की 5 वी आयत में
- * सूः यूसुफ की 23,24,32,33 वी आयत में
- * सूः बनी इसराइल की 32 वी आयत में
- * सूः अन् नूर की दुसरी आयत में
- * सूः मआरिज की 29 वी आयत में और
- * सूः मुम्तहिना की 12 वी आयत में

बहुत ही सखती से आदेश दिये हुए हैं ।

गालियाँ बोलने के खिलाफ कुर्आन - शरीफ में

सूः निसा की 148 वी आयत में और

सूः हुजुरात की 49 वी आयत में

स्पष्ट फरमान दिये हुए हैं ।

सूर: मुजादला की 9 वी आयत में

खराब और अपराधयुक्त भाषा बोलने पर पाबंदी लगाइ गइ है ।

3. अश्लीलता के खिलाफ कुर्आन शरीफ में बुलंद आवाज उठायी गइ है, जिसे हम -

* सूर: आराफ की 33,36,80,81 वी आयतो में

* सूर: अन् नूर की 19, 21 वी आयतो में

* सूर: अझहाब की 30,32,33,35 वी आयतो में

* सूर: शूरा की 37 वी आयत में और

* सूर: नज्म की 32 वी आयत में

देख सकते है ।

4. नारी सम्मान को बनाये रखने के लिये कुर्आन-शरीफ में स्त्री के पोशाक के लिये स्पष्ट हुकम दिये गये है, और जिस पोशाक में शील का जोखिम हो जाये ऐसे पोशाक पहनने की मना की गयी है । यहा तक की अपने छोटे बच्चे के सामने भी बेपर्दा होने के बारे में खास आयतों का अवतरण किया गया है, जिसके सबूत हम -

* सूर : अन् नूर की 31,58,59 वी आयतो में पा सकते हैं ।

आज हमारे लिये बहुत ही दर्दभरी दास्तान यह है कि कुर्आन शरीफ की इन सभी आयतो का, जो वास्तव में अल्लाह के हुकुम है, उनके बिलकुल विरुद्ध चलने के लिये हमारी सभी कोमो के करोड़ों लोगो को यह सेन्सर - विहीन, बदकारी और गालियो से भरा हुआ वल्गर मीडिया उक्सा रहा है, जिन करोड़ों लोगों में हमारी औरतें और बच्चे भी शामिल है । यदि हमने अभी भी इस शैतान को नहीं अटकाया तो हमें इन सभी नुकशानों का सामना करना होगा -

1. हमारे जवान बदकारी के शिकार बन कर अपने जिस्म और दिमाग - दौनों की ताकत गवाँ बैठेंगे ।

2. हमारी कोमो में यौन-अपराध बढ़ेंगे और उससे कोर्ट, पुलिस, झगडे, दंगे भी बढ़ेंगे, परिवार तूट जायेंगे और हम हमारी सुख - शांति गवाँ बैठेंगे ।
3. दिन रात अश्लील द्रश्यो में दुबे हुए हमारे आदमी अपना रोजगार सँभाल नहीं पायेंगे, हमारे बेटे - बेटी भूखे मरेंगे । घर घर में झगडा परेशानिया बढ़ेगी ।
4. अल्लाहने जिन यौन - संबंधो को अवैध ठेहराया है, ऐसे माँ - बहन बेटी वगैरह के पवित्र संबंध भी ऐसे अत्यंत गंदे मीडिया से सुरक्षित नहीं रहेंगे । वल्गर मीडियाने पूरी दुनिया में ऐसे अनगिनत संबंधो की पवित्रता नष्ट कर दी है । आदमी इतने गंदे द्रश्य देखने पर अपने आपको सँभाल नहीं पाता, चाहे वो कितना भी अच्छा इन्सान क्यों न हो ? वल्गर मीडिया ऐसे हर आदमी हर औरत पर एक किसम की जबरजस्ती है, जिस के बाद वे किसी के भी उपर जबरजस्ती कर सकते हैं, जो उनके पडौश की या घर की भी व्यक्ति हो सकता है । आये दिन अखबारो में ऐसी खबरे आती ही रहती है, जिस में सही मायने में दोषित तो वल्गर मीडिया ही होता है ।
5. हम शिक्षा के लिये - हमारे बच्चो की अच्छी पढाई के लिये इतना खर्च करते हैं, पर यदि इस वल्गर मीडिया को मिटाया नहीं गया तो वे दिन - रात इसे ही देखा करेंगे, उनकी बुद्धि तबाह हो जायेंगी और वे पढने के लिये लायक ही नहीं रहेंगे, हमारा सारा खर्च फिजूल हो जायेगा और पढाई के बिना हमारे बच्चो की तरक्की नहीं होगी, उनका सारा जीवन चोपट हो जायेगा ।
6. कुर्आन - शरीफ के खिलाफ इतनी गंदी बाते यदि हमारे लोग सीखते ही रहे, तो फिर वे इमान कैसे लायेंगे ? हमारी आनेवाले संताने इन आयतों का कुफ्र कर देगी, अल्लाह की इस किताब का हमारे पयगंबरो का, इस्लाम के इस पवित्र रास्ते का इससे बडा अपमान और क्याँ हो सकता है ।

यदि हम इस वल्गर मीडिया के चक्कर में फसते गये, तो अल्लाह हम पर खफा होंगे, यदि इस शैतान के सामने हमने जिहाद कर दी तो निःसंदेह अल्लाह हम पर रहम करेंगे इतना तो हम इन सभी बातों से जरूर समझ सकते हैं ।

7. बार बार गालियाँ सुनकर हमारे घर घर में गालियाँ बोली जायेंगी, जो अल्लाह को तनीक भी मंजूर नहीं होगा ।
8. बेपर्दा से भी आगे जाकर बेकपडां औरतों को देखकर हमारी कोमो में पर्दा और कुर्आन - मजीद में कही गयी अन्य भी वस्त्र मर्यादा को शिथिल किया जायेगा या उसके खिलाफ विद्रोह उठाया जायेगा ।

आप इस विषय में हमारी सभी कौमो को मार्गदर्शन दे और बडी जिहाद जगाकर जितना हो सके उतना जल्दी इस गंदे - अश्लील - बदकारी - गालियों से भरे मीडिया को खत्म करके हमारी सारी बरबादीयो को रोक दे ऐसी आपसे दर्दभरी अर्ज है । वल्गर मीडिया के खिलाफ मिशनः सिग्नेचर में 100 करोड सिग्नेचर्स मिल जायें तो आने वाली सदीयों तक इस शैतान का उठना असंभवित हो जायेगा । यह मक्सद आप जैसे फरिश्तों और बंदो की रहम से ही मिल सकता है ।

अलैहिरसलाम
सल्लाकाहु अलैहि वसल्लम
रदियल्लाहु अन्हु

॥ સિરસા વંદે મહાવીરં ॥

જિનશાસન શણગાર પંચાચાર પરિપાલક પંચમહાવ્રતધારક પરમ પૂજ્ય ગચ્છાધિપતિ ભગવંતો / આચાર્ય ભગવંતો/ પદસ્થ ભગવંતોના પાવન ચરણકમલમાં 1008 વાર મત્થએણ વંદામિ. ભાવભરી વંદના -

આપ શ્રી સુખ શાતામાં બિરાજમાન હશે.

આપશ્રી દ્વારા થઈ રહેલ અદ્ભુત શાસનપ્રભાવના ની

અમે ખૂબ ખૂબ અનુમોદના કરીએ છીએ.

વિ. આજે એક દર્દભરી અરજ લઈને અમે આપની પાસે પત્રરૂપે ઉપસ્થિત થયા છીએ. જમાનાવાદ, વેસ્ટર્ન કલ્ચર, કોન્વેન્ટ કલ્ચર અને મીડિયા દ્વારા પ્રભુ મહાવીરના આ પવિત્ર માર્ગને કેટલાંચ સમયથી ખેદાન મેદાન તો કરવામાં આવતો જ હતો, પણ હાલ સેન્સર વગરના ગંદી ગાળો ને વ્યભિચારોથી ભરેલા શીલ અને સદાચારનો કચ્ચરઘાણ કરી દેનારા અમુક કાર્યક્રમોએ સાવ જ દાટ વાળવાનું શરૂ કરી દીધેલ છે. જેમાં આપણી યુવા પેઢી અને બાળકો સુદ્ધા ફસાઈ ચુક્યા છે.

જો આપણે આવા મીડિયા પર પ્રતિબંધ લાવવા માટે સક્રિય ન થયા તો આ સડો આપણા સકળ સંઘને ભરખી જશે. દેરાસર, ઉપાશ્રય, તપસ્યા, ધર્મક્રિયાઓ અને અનુષ્ઠાનોનો કોઈ અર્થ જ નહીં રહે.

બેઝિક સદાચારની જમીન ઉપર જ બીજા ગુણો અને આરાધનાઓ રહી શકતા હોય છે. આજે આ જમીન સંકેલાઈ રહી છે. જો આપણે બધાએ બુલંદ અવાજે આવા વલ્ગર મીડિયાનો વિરોધ ન કર્યો, તો આટલા નુકશાનોનો આપણે સામનો કરવો પડશે.

1. કરોડો લોકો દિવસ રાત ગંદામાં ગંદા પ્રોગ્રામ્સ જોયા કરશે. જેમાં ટ્રક ડ્રાઈવરો, ઢાબા - હોટલવાળાઓ પણ સામેલ હશે, જેમની પાસે

(વાસનાપૂર્તિ માટે) પત્ની વગેરે હાજર હોતા નથી, પરિણામે આપણે મહાસતીઓ અને સાધ્વીજી ભગવંતો પર વિહારોમાં શીલસંકટ હજારોગણું વધી જશે. આ પ્રોગ્રામ્સ ભયંકર રીતે જાતીય ઉશ્કેરણી કરનારા હોય છે, જેમને જોયા પછી સારો માણસ પણ કંઈ પણ કરી શકે છે.

2. આપણા તીર્થો - વિહારધામો - આપશ્રીના નિશ્રાવર્તી ધર્મસ્થાનો અનાચારોના અણ બનશે, આગળ વધીને ગુંડા - લુક્રમા લોકો તેના માલિક બની બેસશે. આપણે લોહી - પાણી એક કરીને બનાવેલું આરાધનાનું સ્થાન એવી સ્થિતિમાં આવી જશે કે આપણે લોહીના આંસું પાડવા પડશે.
3. આપશ્રીની ગુરુપરંપરાને પેઢીઓથી માનતો આવતો પરિવાર હવે આપશ્રીને નહીં માને, કારણ કે નવી પેઢીનું મગજ આવા પ્રોગ્રામ્સ સડાવી સડાવીને ખલાસ કરી રહ્યા છે. જો આવા પ્રોગ્રામ્સ હજી થોડો સમય ચાલુ રહેશે, તો પછી તેના દર્શકો ભયંકર પાપને પણ પાપ નહીં માને અને ગુરુ ભગવંતોને મજાક પાત્ર બનાવશે.
4. આપશ્રીના ધર્મસ્થાનો/ટ્રસ્ટો વગેરેનો નિર્વાહ દુષ્કર થઈ જશે, કારણ કે એક તો નવી પેઢીની શ્રદ્ધા ડગી ગઈ હશે અને બીજું દિવસ રાત ગંદા પ્રોગ્રામ્સ જોઈ જોઈને રાતનો ભયંકર ઉજાગરાઓ કરીને નવી પેઢી શારીરિક - માનસિક - આર્થિક રીતે પાયમાલ બની ગઈ હશે.
5. આપશ્રીના શિષ્યો જે લોકોની વચ્ચે રહે છે ને જે સાધનોના આડકતરા પણ સંપર્કમાં આવે છે, તેમની ઓછી - વત્તી અસર એમના પર પણ થાય એવી સંભાવના નકારી શકાતી નથી. જો આજે આપણે આમાં આપણને શું ? એમ વિચારીને નિષ્ક્રિય રહીશું, તો આપણા નિશ્રાવર્તી સંયમીઓમાં ઉન્નિષ્ક્રમણનું પ્રમાણ વધશે અથવા તો અનાચારો - શિથિલતાઓનું પ્રમાણ વધશે, બંને રીતે શાસનની સાથે સાથે આપશ્રીની

પણ ભયંકર અપભ્રાજના થશે. જે અમારા માટે પણ અસહ્ય આઘાતજનક બનશે.

6. નવી પેઢીને ધર્માભિમુખ કરવા આપશ્રી અને આપશ્રીના તેજસ્વી સંયમીઓ ભગીરથ પ્રયાસો કરી રહ્યા છે, પણ જો આ ગંદા મીડિયાનો જબરજસ્ત વિરોધ ન કરાયો ને તે બેરોકટોક ચાલતું રહ્યું તો એ બધા પ્રયાસો પર પાણી ફરી વળવાનું છે કારણ કે એની ભયંકર અસર હેઠળ આવેલી નવી પેઢી દેરાસરમાં દર્શન કરવા પણ નહીં આવે, ઉપાશ્રયમાં પગ સુકા નહીં મુકે અને બાયચાન્સ આવશે તો દેવ - ગુરુ પ્રત્યે પણ એના મનમાં ભયંકર વિચારો આવશે.
7. લોકોનું મગજ એટલું સડી ગયું હશે કે પૂ.સાધુ - સાધ્વીજી ભગવંતોને ગોચરી જવામાં પણ જોખમ થઈ શકશે.
8. બહુ બહુ તો બહારથી થોડો ઘણો ધર્મ દેખાશે, અંદર બધું જ ખરાબ રીતે સડી ગયું હશે, પવિત્ર સંબંધો પણ ખરડાઈ ચૂક્યા હશે. આમ પણ છાપામાં એવા સમાચારો આવતા જ હોય છે, હવે એમાં ભયંકર ઉછાળો આવશે. પરિણામે આપશ્રીની પવિત્ર ગુરુ પરંપરાએ અઢળક કષ્ટો વેઠીને ઊભા કરેલા ધર્મસ્થાનો, ભાવિત કરેલા ક્ષેત્રો, ઉદ્ધારેલા પરિવારો અને તીવ્ર પ્રસવવેદના જેવા કષ્ટો વેઠીને જન્માવેલી ધર્મભાવનાઓ એ બધા ઉપર ખરેખર પાણી ફરી વળશે.

આજના સમયની તાતી જરૂર છે કે

- * આપશ્રી બુલંદ અવાજે ગંદા મીડિયાને હાંકી કાઢો.
- * સિઝેચર મિશનમાં 100 કરોડનું લક્ષ્ય સર કરવા માટે જૈનો સહિત સમસ્ત ભારતીય જનતાને હાંકલ કરો અને
- * સામૂહિક સશક્ત પ્રતિકાર દ્વારા આવનારી સદી સુધી મીડિયાને ગંદકી મુક્ત કરી દો.

અમે, વર્તમાનની અને ભવિષ્યની બરબાદીઓને જોઈ રહ્યા છીએ, અંતરથી રડી રહ્યા છીએ, સળગી રહ્યા છીએ, જિનશાસન અને આપશ્રી પ્રત્યેની લાગણીથી અંદર ને અંદર ભીંસાઈ રહ્યા છીએ. પણ અમે શું કરી શકીએ ? અમે ઘણા પામર છીએ. શક્તિ તો આપશ્રી જેવા મહાપુરુષોના જ હાથમાં છે.

અમે આપશ્રીને આજીજીપૂર્વક વિનંતિ કરીએ છીએ, કે આપશ્રી બીજું બધું જ ગૌણ કરીને હાલના પંદરેક દિવસ આ મિશન ખાતે ફાળવો અને વિભિન્ન પ્રકારોના આપશ્રીના પ્રયાસોથી આ મિશનને સફળ બનાવો.

આત્મીયતાની અમારી આ લાગણીની ધારામાં કાંઈ પણ અનુચિત કહેવાયું હોય તો અમે ક્ષમા યાચીએ છીએ. જ્યારે આગ લાગી હોય ત્યારે દોડી કહેવા માટે અલંકારિક ભાષા શોધવાનો અવસર હતો નથી. પુનઃ પુનઃ આજીજી સાથે આપશ્રીના પવિત્ર ચરણ કમળોમાં ભાવભર્યા વંદન સાથે આ પત્ર સમાપ્ત કરીએ છીએ.

લિખીતમ

યુવા જાગરણ મંચ

સ્વચ્છ સાયબર ભારત

[7] पत्र

समग्र भारत के सी.ए. महानुभवों को

सादर नमस्कार ।

आप कुशल मंगल होंगे ।

आपके सहयोग से देश के समस्त व्यवसाय
और अन्य भी रोजगार सुचारु रूप से

चल रहे हैं ।

आपकी ज्ञानगरिमा का

हम अभिवादन करते हैं ।

एक दर्दभरी प्रार्थना के साथ

आज हम आपके समक्ष उपस्थित हुए हैं ।

आज देशभर में एक नया आतंक उठा है

जिसका नाम है गंदा मीडिया ।

गंदी गालियाँ, व्यभिचार और अश्लीलता तो

इस में सतत आती ही रहती है ।

ससुर-बहु, देवर-भाभी जैसे पवित्र संबंधो कर्म भी

भयंकर दुराचार इसमें प्रसारित किये जा रहे हैं,

समग्र देश में खून, बलात्कार, गालियाँ,

नारी का घोर अपमान, यौन-शोषण आदि

अपराधों में इसकी बजह से

भयंकर वृद्धि हो रही है ।

रात को ४,५,६,७,८ घंटे तक जाग जागकर

गंदगी में ही डुब हुए लोग

अपनी पढाई-धंधा-नौकरी-रोजगार

सब कुछ तबाह कर रहे हैं ।

आप इस देश के उच्च शिक्षित जागृत नागरिक हैं ।

हम निःस्वार्थ भाव से नेशनल इस्स्यु से
आप से विनम्र अनुरोध करते हैं ।
कि आप इस गंदगी के खिलाफ अपनी बुलंद
आवाज़ उठाये और मीडिया को संपूर्ण नियंत्रण में
लाकर केवल सद्गुणों के प्रसार के लिए बाध्य करे ।
आप जैसे महानुभावो के सहयोग से ही सिग्नेचर मिशन का
१०० करोड़ का टार्गेट पूरा हो सकता है और आनेवाले
१०० वर्ष तक यह देश इस गंदगी से मुक्त हो सकता है ।

समग्र भारत के इंजिनियर महानुभावों को

सादर नमस्कार
आप कुशल मंगल होंगे ।
देश के विभिन्न क्षेत्रों में आप अपने ज्ञान का
उच्च योगदान दे रहे हैं ।
आपकी ज्ञानगरिमा का हम सम्मान करते हैं ।
एक दर्दभरी प्रार्थना के साथ
आज हम आपके समक्ष उपस्थित हुए हैं ।
आज देशभर में एक नया आतंक उठा है
जिसका नाम है गंदा मीडिया ।
गंदी गालियाँ, व्यभिचार और अश्लीलता तो
इस में सतत आती ही रहती है ।
ससुर-बहु, देवर-भाभी जैसे पवित्र संबंधो कर्म भी
भयंकर दुराचार इसमें प्रसारित किये जा रहे हैं,
समग्र देश में खून, बलात्कार, गालियाँ,
नारी का घोर अपमान, यौन-शोषण आदि
अपराधों में इसकी बजह से

भयंकर वृद्धि हो रही है ।

रात को ४,५,६,७,८ घंटे तक जाग जागकर

गंदगी में ही डुब हुए लोग

अपनी पढाई-धंधा-नौकरी-रोजगार

सब कुछ तबाह कर रहे हैं ।

आप इस देश के उच्च शिक्षित जागृत नागरिक हैं ।

हम निःस्वार्थ भाव से नेशनल इस्यु से

आप से विनम्र अनुरोध करते हैं ।

कि आप इस गंदगी के खिलाफ अपनी बुलंद

आवाज़ उठाये और मीडिया को संपूर्ण नियंत्रण में

लाकर केवल सद्गुणों के प्रसार के लिए बाध्य करे ।

आप जैसे महानुभावों के सहयोग से ही सिग्नेचर मिशन का

१०० करोड़ का टार्गेट पूरा हो सकता है और आनेवाले

१०० वर्ष तक यह देश इस गंदगी से मुक्त हो सकता है ।

समग्र भारत के टिचर्स महानुभावों को

सादर नमस्कार

आप कुशल मंगल होंगे ।

भारत के स्वर्णिम भविष्य के लिए

आप जो शिक्षा एवं संस्कारों का यज्ञ कर रहे हैं

उसका हम अपने अंतर-मन से अभिवादन कर रहे हैं ।

एक दर्दभरी प्रार्थना के साथ

आज हम आपके समक्ष उपस्थित हुए हैं ।

आज देशभर में एक नया आतंक उठा है

जिसका नाम है गंदा मीडिया ।

गंदी गालियाँ, व्यभिचार और अश्लीलता तो

इस में सतत आती ही रहती हैं ।

ससुर-बहु, देवर-भाभी जैसे पवित्र संबंधो कर्म भी
भयंकर दुराचार इसमें प्रसारित किये जा रहे हैं,
समग्र देश में खून, बलात्कार, गालियाँ,
नारी का घोर अपमान, यौन-शोषण आदि
अपराधों में इसकी बजह से
भयंकर वृद्धि हो रही है ।
रात को ४,५,६,७,८ घंटे तक जाग जागकर
गंदगी में ही डुब हुए लोग
अपनी पढाई-धंधा-नौकरी-रोजगार
सब कुछ तबाह कर रहे हैं ।
आप इस देश के उच्च शिक्षित जागृत नागरिक हैं ।
हम निःस्वार्थ भाव से नेशनल इश्यु से
आप से विनम्र अनुरोध करते हैं ।
कि आप इस गंदगी के खिलाफ अपनी बुलंद
आवाज़ उठाये और मीडिया को संपूर्ण नियंत्रण में
लाकर केवल सद्गुणों के प्रसार के लिए बाध्य करे ।
आप जैसे महानुभावो के सहयोग से ही सिग्नेचर मिशन का
१०० करोड़ का टार्गेट पूरा हो सकता है और आनेवाले
१०० वर्ष तक यह देश इस गंदगी से मुक्त हो सकता है ।

समग्र भारत के प्रिन्सीपाल - आचार्य महानुभावों को

सादर नमस्कार
आप कुशल-मंगल होंगे ।
समस्त विद्यालय का आप अद्भुत संचालन
कर रहे हैं, आप की इस कुशलता का
हम हृदय से अभिवादन करते हैं ।
एक दर्दभरी प्रार्थना के साथ

आज हम आपके समक्ष उपस्थित हुए हैं ।
आज देशभर में एक नया आतंक उठा है
जिसका नाम है गंदा मीडिया ।
गंदी गालियाँ, व्यभिचार और अश्लीलता तो
इस में सतत आती ही रहती हैं ।
ससुर-बहु, देवर-भाभी जैसे पवित्र संबंधो कर्म भी
भयंकर दुराचार इसमें प्रसारित किये जा रहे हैं,
समग्र देश में खून, बलात्कार, गालियाँ,
नारी का घोर अपमान, यौन-शोषण आदि
अपराधों में इसकी बजह से
भयंकर वृद्धि हो रही है ।
रात को ४,५,६,७,८ घंटे तक जाग जागकर
गंदगी में ही डुब हुए लोग
अपनी पढाई-धंधा-नौकरी-रोजगार
सब कुछ तबाह कर रहे हैं ।
आप इस देश के उच्च शिक्षित जागृत नागरिक हैं ।
हम निःस्वार्थ भाव से नेशनल इश्यु से
आप से विनम्र अनुरोध करते हैं ।
कि आप इस गंदगी के खिलाफ अपनी बुलंद
आवाज़ उठाये और मीडिया को संपूर्ण नियंत्रण में
लाकर केवल सद्गुणों के प्रसार के लिए बाध्य करे ।
आप जैसे महानुभावो के सहयोग से ही सिग्नेचर मिशन का
१०० करोड़ का टार्गेट पूरा हो सकता है और आनेवाले
१०० वर्ष तक यह देश इस गंदगी से मुक्त हो सकता है ।

[8] FROM - आप शिक्षण संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

हमारी संस्था अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कारो को परोसने के लिये बडा परिश्रम कर रहे हैं । जिस पौधे को हमने हमारे पसीने से सिंचा, जिसकी सुरक्षा के लिये हमने संस्कृति की सिक्युरिटी वोल बनायी, जिसको बडा करते करते हमारे बाल सफेद हो गये । आज उसे एक राक्षस के द्वारा मूल से उखाडा जा रहा है । जिसका नाम है गंदा मीडिया ।

छात्र के लिये हमने दस साल तक जितनी महेनत की, जितने संस्कारो का सृजन किया उन सबको केवल 10 दिन में भस्मीभूत करने का काम यह गंदा मीडिया कर रहा है । हमारे देश में दूरदर्शन के लिये कानून है, अखबारो के लिये कानून है, पर यह मीडिया बिलकुल बेकाबु है । वह जो भी करे वह कानुनी है, क्योंकि उसके लिये कोई कानून नहीं है । यह तो ऐसी बात हुई कि आदमी की दाँयी आँख फोडो तो वह दंडनीय अपराध है, पर उसकी बाँयी आँख फोड दो तो कोई अपराध नहीं है ।

संस्कारों का नाश दूरदर्शन से हो या WEB - SERIES ETC. से हो, नाश तो नाश ही है । सरकार के लिये बहुत ही शर्म की बात है कि ऐसा बेशर्मी का तांडव इतने लंबे समय तक बेलगाम चलता रहा । अब एक दिन के लिये भी इसे न चलाया जाये ऐसी हमारी आग्रहपूर्वक विनंती है ।

[8.1] FROM - आप ज्ञाति - समाज संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

आज बडे दर्द के साथ हम आप से अपील कर रहे हैं कि जैसे जैसे शिक्षा एवं प्रसार माध्यमो में से संस्कारदायक तत्व हटते गये वैसे वैसे हिन्दुस्तान की सभी ही जातिओ में परेशानीयाँ बढती गयी है । मीडिया जैसे जैसे गंदा बनता गया और गंदगी फैलाने लगा, वैसे वैसे समाज में विकृतियाँ बढती ही गयी । शादीयाँ टूटने लगी । महिलायें एक मजाक का साधन बनने

लगी । तलाक के बाद की पीडा नर्क जैसी बनी । यौन अपराध, नारी शोषण, अत्याचार, खून, चोरी, विश्वासघात, माता - पिता की अवगणना, दुःखावह विवाह संबंध - यह सभी विकृत मीडिया की देन है । फिर चाहे वह टी.वी. चैनल्स के रूप में हो, सोशल मीडिया के रूप में हो या अखबार वगैरह के रूप में हो, ज्यादातर यह सभी माध्यम गंदगी फैलाकर समाज को त्रस्त करने में लगे हैं ।

एक बाजु हम जाति - समाज की इतनी परेशानिया सहन कर रहे हैं, वहा दुसरी बाजु एक भयानक राक्षस इसी मीडिया में कूद पडा है, जिसका नाम है नियंत्रणमुक्त मीडिया । एकदम गंदी गालियाँ जहा सतत बोली जाती है । सगे मा - बेटे और सगे बाप - बेटे के व्यभिचार यहा खुलेआम दिखाये जाते हैं, जहाँ गुरु - पद पर बिराजित टिचर्स खुद विद्यार्थी के साथ दुराचार करते रहते हैं, जहाँ अश्लीलता और अभद्रता की सीमा ही नहीं है, ऐसा यह गंदा मीडिया बेलगाम दौड रहा है, जो हमारी सभी जाति - समाजों को कुचलकर नष्ट - भ्रष्ट कर देगा । एक बाजु सरकार बलात्कारीओ को कडी से कडी सजा दे रही है, और दुसरी बाजु बलात्कारीओ की उत्पादक फेक्टरी जैसे मीडिया को बिन्धास्त चलने देती है यह कहाँ का न्याय है ?

हम आपसे तीव्र अनुरोध करते हैं कि इस राक्षस पर शीघ्र से शीघ्र नियंत्रण लगाये ।

[8.2]

FROM - आप नारीवादी संस्थाकी औरसे इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

हमारी संस्था नारीवादी है, जो नारी के विकास, सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के लिये प्रयत्नशील है । कइ सालो से हम जो महेनत कर रहे हैं, उसमें हमें बडी रुकावट बन रहा है विकृत मीडिया । जो नारी सम्मान को जगाने के बजाय नारी को एक खिलौना और मजाक की चीज बना रहा है । रोजाना हजारो की संख्या में नारी पर बलात्कार हो रहे हैं, उनकी हत्या तक हो रही है,

विवाह भंग की दुःखद समस्याओं से लाखों नारीयाँ पीडित हैं, जिसका बहुत बड़ा जिम्मेदार यह विकृत मीडिया ही है ।

सरकार इस मीडिया को तो सुधरने के लिये मजबूर नहीं कर रही है, पर इसी शृंखला में एक और शैतान का स्वागत कर रही है, जिसका नाम है बेकाबु मीडिया । जहाँ नारी के सामने गंदी गालियाँ बोली जाती हैं, जहाँ नारी के मुह से गंदे से गंदी गालियाँ बुलाई जाती हैं, जहाँ नारी को बिल्कुल वस्त्रविहीन दशा में अपने देवर, ससुर, बेटे या विद्यार्थी के साथ व्यभिचार करती हुयी दिखाई जाती है, जहाँ अश्लीलता की कोई सीमा ही नहीं है, ऐसा मीडिया एक दिन के लिये तो क्या, एक पल के लिये भी कैसे जिंदा रहना चाहिये ?

क्याँ सरकार अब करोड़ों नारीयों पर बलात्कार करवाना चाहती है ? क्याँ सरकार ऐसा चाहती है कि अब परिवार का प्रत्येक सदस्य नारी का पति ही बनना चाहिये ? क्याँ सरकार अब पूरे देश को पशु बना देना चाहती है ? क्याँ सरकार यह चाहती है कि अब गालियाँ ही हमारी राष्ट्रभाषा हों ? अब तो हद हो रही है, कब जगेगी सरकार ?

हम समस्त देश की नारीओं के प्रतिनिधि के रूप में आपको विज्ञप्ति करते हैं कि आप जल्द से जल्द इस शैतान को खत्म करें ।

[8.3]

FROM - आप एक संसदसभ्यके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

भारतीय संस्कृति की कदर करते हुए अब तक हमने प्रसार माध्यमों पर काफी नियंत्रण रखा है अन्य अनेक देशों की तरह हमारे देश में भी पोर्नोग्राफी, अश्लीलता, गंदी गालियाँ, गंदे द्रश्य, गंदे संवाद आदि पर इतने सालों से काफी नियंत्रण रखा है । जिसकी वजह से हमारे देश में यौन - अपराध, अत्याचार, खून, चोरी तलाक, आदि पर कुछ हद तक नियंत्रण आ रहा है ।

कुछ समय से मीडिया का कुछ हिस्सा एकदम बेकाबु बना है, जिस में गंदी गालियों से लगाकर भयंकर व्यभिचारों के दृश्य खुल्लेआम दिखाये जाते हैं और मा - बेटे , बाप - बेटी, देवर - भाभी, ससुर - बहु और टिचर - स्टुडन्ट तक के गंदे से भी गंदे दुराचार दिखाये जा रहे हैं, जिससे उपरोक्त सभी अपराधों में भयानक वृद्धि हुई है, जो आंकड़ों से प्रमाणित की जा सकती है ।

हमारी सरकार के लिये यह एकदम शर्म की बात है । यदि इतना गंदा मीडिया कानूनी है तो फिर खून, बलात्कार, व्यभिचार, गंदी गालियाँ, बेवफाई - कुछ भी गेरकानूनी नहीं रहेगा । हमारा शासन देश के कल्याण के लिये है, न कि देश की समस्याएँ बढ़ाने के लिये ।

सरकार चलाने के लिये बहुत ही जरूरी है कि देश का अर्थतंत्र मजबूत हो । गंदे मीडिया के आदी बने हुए लोग, पूरी पूरी रात जगते रहते हैं, शरीर और मन दोनों से अस्वस्थ हो रहे हैं, वे अपने रोजगारों को कैसे टिका पायेंगे क्याँ कुछ चंद लोगों के जेब भरने के लिये हमें पूरे देश का अर्थतंत्र तोड़ देना चाहिये ? और पूरे देश में भयंकर अपराध फैलाने चाहिये ? एक जागृत मेम्बर औफ पार्लामेन्ट के रूप में, मैं सरकार को आग्रहपूर्वक अनुरोध करता हूँ कि सरकार कड़े से कड़े नये कानून बनाकर न केवल इस मीडिया को नियंत्रित करे, बल्कि मीडिया को सद्गुणों, नैतिकता एवं सदाचार के प्रसार के लिये बाध्य भी करे ।

[8.4] FROM - आप एक MLA के रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

मैं एक M.L.A. के रूप में आम जनता के समीप रहता हूँ । और जनजीवन को समीप से देख रहा हूँ । जब से मीडिया का कुछ हिस्सा बेकाबु - बेलगाम बनकर गंदी से गंदी गालियाँ बरसा रहा है, तब से समाज में गालियाँ बोलने का प्रमाण - झगडॉ - भयंकर रूप से बढ़ा है । जब कि यह मीडिया भयंकर व्यभिचारों का खुल्लेआम गंदा प्रसारण तक करने लगा है, तब से डिवोर्स की संख्या में भयानक वृद्धि हुई है । बलात्कारी की संख्या भी इसी

बजह से बढी है । दिन - रात इसी गंदगी में डुबे हुए लोग रोजगार गवाँ रहे है । परिवार हर तरह से परेशान हो रहे है और समग्र अर्थतंत्र टूट रहा है ।

जगह जगह से इस गंदे मीडिया के खिलाफ विरोध उठ रहा है, और अभी तक सरकार केवल आश्वासन दे रही है कि नियम बन रहे है, यह हमारे लिये बहुत ही शर्म की बात है । सरकार को चाहिये कि न केवल कडे से कडे नियम बनाकर इस मीडिया को संपूर्ण रूप से नियंत्रित करे, परंतु सर्वजनकल्याण के लिये सदगुणों, आदर्शों, नैतिकता एवं सदाचार का प्रसार करने के लिये मीडिया को बाध्य करे ।

जनता के आर्थिक - पारिवारिक - शारीरिक - मानसिक - सामाजिक स्वास्थ्य के हित में सरकार शीघ्र से शीघ्र यह कदम उठाये, और जब तक यह न हो, तब तक इस गंदे प्रसार को संपूर्ण रूप से स्थगित कर दे ऐसे विनम्र अनुरोध के साथ मैं यह पत्र समाप्त करता हूँ ।

[8.5]

FROM - आप एक कोर्पोरेटरके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते है

एक कोर्पोरेटर के रूप में मैं आम जनता के समीप रहता हूँ । और जनजीवन को समीप से देख रहा हूँ । जब से मीडिया का कुछ हिस्सा बेकाबु - बेलगाम बनकर गंदी से गंदी गालियाँ बरसा रहा है, तब से समाज में गालियाँ बोलने का प्रमाण - झगडॉ - भयंकर रूप से बढा है । जब से यह मीडिया भयंकर व्यभिचारो का खुल्लेआम गंदा प्रसारण तक करने लगा है, तब से डिवोर्स की संख्या में भयानक वृद्धि हुई है । बलात्कार संख्या भी इसी बजह से बढी है । दिन - रात इसी गंदगी में डुबे हुए लोग रोजगार गवाँ रहे है । परिवार हर तरह से परेशान हो रहे है और समग्र अर्थतंत्र टूट रहा है ।

जगह जगह से इस गंदे मीडिया के खिलाफ विरोध उठ रहा है, और अभी तक सरकार केवल आश्वासन दे रही है कि नियम बन रहे है, यह हमारे लिये बहुत ही शर्म की बात है । सरकार को चाहिये कि न केवल कडे से कडे नियम बनाकर इस मीडिया को संपूर्ण रूप से नियंत्रित करे, परंतु

सर्वजनकल्याण के लिये सदगुणों, आदर्शों, नैतिकता एवं सदाचार को प्रसार करने के लिये मीडिया को बाध्य करे ।

जनता के आर्थिक - पारिवारिक - शारीरिक - मानसिक - सामाजिक स्वास्थ्य के हित में सरकार शीघ्र से शीघ्र यह कदम उठाये, और जब तक यह न हो, तब तक इस गंदे प्रसार को संपूर्ण रूप से स्थगित कर दे ऐसे विनम्र अनुरोध के साथ मैं यह पत्र समाप्त करता हूँ ।

[8.6] FROM - आप एक क्लबके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

हमारा क्लब एक सामाजिक संस्था है, जो समाज कल्याण के अच्छे कार्य कई सालो से कर रहा है । समाज कल्याण का मजबूत आधार स्वस्थ परिवार होता है, स्वस्थ परिवार का आधार विश्वास, वफादारी, शालीनता, नैतिकता, पवित्र संबंधों की पवित्रता और सदगुणो पर होता है । वर्तमान में बहुत ही दुःख की बात है कि यह सारा का सारा आधार गंदे मीडिया के द्वारा तोडा जा रहा है ।

क्याँ अभी तक हमारे क्लबने इसी लिये शालीनता बनायी रखी थी कि गंदा मीडिया जनता को गंदी से गंदी गालियाँ सीखा सके ? क्याँ अभी तक हमारे क्लब ने इसी लिये परिवारो में खुशियाँ फैलायी थी कि गंदा मीडिया पवित्र से भी पवित्र संबंधो में भी गंदे से गंदा व्यभिचार सीखा सीखा कर परिवारो का सत्यानाश कर दे ? क्याँ अभी तक हमारे क्लब ने इसी लिये भारतीय संस्कृति को जिंदा रखा था कि गंदा मीडिया भयंकर अश्लीलता के द्वारा उसकी क्रूर हत्या कर सके ?

क्याँ कुछ लोगों की जेब भरने के लिये पूरे देश को बर्बाद करना जरूरी है ? क्याँ कुछ विदेशी कंपनीओ की गुलामी में फसकर सरकार इतना बड़ा देशद्रोह कर लेने के लिये तैयार है ?

हमारा तीव्र अनुरोध है कि यह विकृति शीघ्र से शीघ्र स्थगित की जाये और मीडिया को सदगुणों, नैतिकता और सदाचार का प्रसार करने के लिये बाध्य किया जाये ।

[8.7] FROM - आप अपनी संस्थाके रूप में इस प्रकार का पत्र दे सकते हैं

हमारी संस्था धर्म - समाज - जनहित के कार्य लगातार करती रहती है । कुछ समय से मीडिया का कुछ हिस्सा बिलकुल बेकाबु होकर गंदी गालियाँ, व्यभिचार - अश्लीलता का बिलकुल गंदा प्रदर्शन, नारी सम्मान का हनन इत्यादि प्रसारण कर रहा है , जिसके द्वारा समग्र देश में भयानक अपराधो की वृद्धि हो रही है ।

ऐसा गंदा मीडिया न ही भारतीय संस्कृति के अनुरूप है, न ही भारत में विद्यमान एक भी धर्म इसे सम्मति देता है । गीता हो या उपनिषद, वेद हो या पुराण, भागवत हो या रामायण, महाभारत हो या सांहिताये, आगम हो या त्रिपिटक, कुर्आन हो या बाईबल, सभी के सभी धर्मग्रंथ गंदे मीडिया की गंदगी के खिलाफ ही खडे है ।

गंदा मीडिया बलात्कारो का स्कूल है, व्यभिचारो का ट्युशन है, खून का क्लासिस है, गालियों का स्पिकिंग कोर्स है, नारी - अपमान की ओनलाइन शिक्षा है , खराबीओ की कोलेज है, माँ, बहन, बेटी, बहु, भाभी, सास - वगैरह को पत्नी कैसे बनाना यह सीखाने वाली युनिवर्सिटी है ।

सरकार के लिये बहुत ही शर्म की बात है कि अभी तक यह गंदगी साफ नहीं हुई है । हम सरकार से दर्दभरी अपील करते हैं, कि इस गंदगी पर सख्त से सख्त प्रतिबंध लगाया जाये । समस्त मीडिया को सदगुण, नैतिकता और सदाचार का प्रसार करने के लिये बाध्य किया जाये और जब तक यह न हो, तब तक गंदे मीडिया का प्रसारण संपूर्णतया स्थगित किया जाये ।

*

[10] समस्त भारत के तंत्री महोदयो को

आपके कुशल मंगल की कामनायें ।

ज्ञान - प्रसार के आपके सभी सम्यक पुरुषार्थों की
में अपने अंतरमन से अनुमोदना
करता हूँ ।

आप जानते ही हैं की वर्तमान में इन्टरनेट पर
कुछ मीडिया भयानक अश्लीलता का प्रसारण
कर रहा है ।

जिससे अखबार आदि पढना भी तेजी से छूट
रहा है

और संस्कृति का अधःपतन भी हो रहा है ।

ऐसे मीडिया को नियंत्रण में लाने
के लिये एक आर्टिकल इसके साथ
निःस्वार्थ भाव से भेजा है ।

जिसे योग्य स्थान देकर आप अपने दायित्व का
निर्वाह करे ऐसा हमारा खास अनुरोध है ।

ONLY 2 OPTIONS FOR THE INDIAN GOVERNMENT

कुछ चीजे ऐसी भी होती हैं, कि जिसकी माँग भी हो, जिसका मार्केट भी हो, जनता का एक हिस्सा उसे पसंद भी करे, वो हिस्सा बडा भी हो, उससे किसी को आमदनी भी होती हो, कुछ लोगो को कुछ रोजगार भी मिलता हो, फिर भी इतने ही हेतु उस बिजनेस को चलने देने के लिये पर्याप्त नहीं हैं । बहुत ही महत्वपूर्ण बात तो यह है कि वह बिजनेस ऐसा न होना चाहिये जो शारीरिक - मानसिक - पारिवारिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य को नष्ट - भ्रष्ट कर दे । अन्यथा तो ड्रग्स के बिजनेस में भी माँग, मार्केट, आमदनी और कुछ लोगों का रोजगार हो सकता है, पर सरकार उस पर सख्त प्रतिबंध लगाती हैं, यतः वह बिजनेस समस्त जनता को बर्बाद करनेवाला है । यदि वह बिजनेस भी कुछ चँद

लोगो के निजी हित के लिये कानूनी ठेहराया जाये तो इससे बडा आतंकवाद शायद और कोई नहीं हो सकता ।

वर्तमान में ड्रग्स के जैसा ही या एक द्रष्टि से उससे भी भयानक एक बिजनेस चल रहा है, जिसका नाम है वल्गर मीडिया । बिलकुल नियंत्रणहीन यह मीडिया ऐसी गंदगी फैला रहा है जिससे हमारे देश की वियाट जनता का शारीरिक - मानसिक - पारिवारिक और सामाजिक स्वास्थ्य एकदम खतरे में पड़ गया है ।

एक नारी जब अत्यंत अभद्र स्थिति में अपने आपको प्रस्तुत करती है, तब दर्शको का मार्केट तो क्रियेट हो जाता है, यतः यह मानवस्वभाव की दुर्बलता है, कि यदि गंदा निमित्त मिले तो वह फिसल जाता है, शायद ही कोई उससे बच जाये, जो बच जाये उसे भगवान मानना चाहिये, और भगवान बनना यह मेजोरिटी पब्लिक के बश की बात नहीं है । जब वह नारी सभी मर्यादाये छोडकर सबकुछ दिखाने के लिये और सबकुछ करने के लिये तैयार हो जाती है, तब उसे वियाट संख्यामें दर्शक तो मिल जाते है, प्रोग्राम - प्रोड्युसर्स को आमदनी मिल जाती है, अपना शरीर, इमान, शील, संस्कार और खानदानी बेचने के बदले में उस नारी को कुछ पैसे भी मिल जाते है, पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि फिर उस नारी के परिवार का क्याँ ? फिर उस नारी के भविष्य का क्याँ ? और इतना गंदा देख देखकर हर तरह से भ्रष्ट हो चुके उन दर्शको के परिवार का क्याँ ?

थोडे ही समय में वह नारी का क्याँ नतीजा होगा यह किसने सोचा है ? उसी मीडिया के द्वारा वह USE & THROW हो जायेगी, उसने अपना शील बेच दिया, अतः वह अपना सुखी विवाहित जीवन गवाँ बैठेगी । उसके भविष्य की जिम्मेदारी कोई नहीं लेगा । जब तक उसकी थोडी भी जवानी बाकी होगी, तब तक उसे वेश्या बनना पड़ेगा । उसके बाद उसका और ज्यादा THROW होगा और मरते दम तक उसे नर्क जैसे दुःखों को सहन करना पड़ेगा । क्याँ आपको

नहीं लगता कि नारी का सबसे बड़ा शोषण, नारी पर सबसे ज्यादा अत्याचार और सब से उत्कृष्ट बलात्कार यह वल्गर मीडिया ही कर रहा है ?

वल्गर मीडियाने उसे रोजगार दिया ? या फिर हवसखोर भेडिये दिये ? वल्गर मीडियाने उसे पैसे दिये ? या फिर उसकी पारिवारिक सुख - संपत्ति चुरा ली ? वल्गर मीडियाने उसका भला किया ? या फिर उसकी पुरी जिंदगी ही बर्बाद कर दी ? इसे रोजगार कहना चाहिये ? या भयानक अत्याचार कहना चाहिये ?

रही बात दर्शको की तो जब दर्शक बेडरूम को स्क्रीन पे ला देता है, तब उसका बेडरूम खाली हो जाता है । उसके पास अपनी पत्नी को देने के लिये कुछ बचता ही नहीं, यह पुरुष की सीमा होती है । फिर खडी होती है विवाहीत जीवन की जटिल समस्यायें, चलता रहता है गृहयुद्ध, असंतोष की आग लाखो विवाहीत जीवन को भस्मीभूत कर देती है । आप को सबूत चाहिये तो भयानक रूप से बढी हुई डिवोर्स की संख्या ही देख ले । जब मीडिया में इतनी गंदगी नहीं थी, तब इतने डिवोर्स भी नहीं थे । निष्कर्ष यह है कि वल्गर मीडिया करोड़ों नारीओं से उनका पति छिन रहा है, जो उसका जीवनसर्वस्व था । एक नारी को जीते जी मार देनेके लिये इससे बड़ा हथियार और क्या हो सकता है ?

मीडिया तो हजारो में से दो चार सुंदर चहरे ढुँढकर रख देता है, वैसे चहरे - स्कीन - स्वीच - अंग सबके घर में नहीं होते, । जब जनता स्क्रीन पर किसी को पसंद करती है, तब अपने पति या पत्नी को नापसंद करती है, फिर घरेलु झगडे लगातार चलते रहते है । । DON'T LIKE YOU तो नहीं कहा जाता, पर इसी वजह से बहाने मिलते रहते है, पति - पत्नी झगडते रहते है, घर कुरुक्षेत्र बन जाता है, संतान अनाथ और बेबस से हो जाते है । आज देशभर में करोड़ों घरों की यह दास्तान है, क्याँ इसे मनोरंजन कह सकते है ?

दुसरी और लाखों - करोड़ों नारीयाँ लगातार इसी वल्गर मीडिया से सीखती रहती है, कि मैं भी यदि इस तरह अपने अडोश - पड़ोश के पुरुषों के साथ, अपने स्टुडन्ट के साथ, अपने देवर या ससुर के साथे, अपने भाइ या बेटे

के साथ या अपने पिता के साथ भी व्यभिचार करुं तो उसमें कुछ भी गलत नहीं है।

कहा जाता है कि यदि एक झूठ यदि सात बार सुना जाये तो फिर व्यक्ति उसे सच मान लेता है। सातसो बार गंदे से गंदा व्यभिचार खुलेआम देख चुके लोग व्यभिचारो से बच पायेंगे ? व्यभिचारों के फल स्वरूप भयंकर घरेलु हिंसा, सगे भाइओ में भयानक दुश्मनी, डिवोर्स, पुलिस केस, कोर्ट केस, आर्थिक बर्बादी, अनाथ बालक, जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं की भी अपूर्ति - क्याँ इन सब से भी वे बच पायेंगे ? वल्गर मीडिया मनोरंजन दे रहा है ? या एक जीवन में अनेक मौत दे रहा है ?

तीसरी और गंदे से गंदे प्रोग्राम्स देखकर करोड़ों पुरुषों की हवस भड़क जाती है तब उनके संपर्क में आने वाली उसकी छोटी बेटी भी असुरक्षित हो जाती है और बुढी माँ भी असुरक्षित हो जाती है, तो फिर दुसरी नारीयाँ तो कैसे सुरक्षित रह सकती है ? वल्गर मीडिया स्पष्ट रूप से करोडो पुरुषो को अपने आसपास जो भी नारी मिले उस पर बलात्कार करने के लिये उकसा रहा है। क्याँ यह वल्गर मीडिया का भयानक अपराध नहीं है ? क्याँ कुछ चँद लोगो की जेब भरने के लिये देश की करोडों मातायें, बहनें, बहु - बेटियाँ - इन सब पर इतना बड़ा जोखिम खडा करना न्यायिक है ? क्याँ ऐसा करने की इजाजत सरकार किसी को दे सकती है ? क्याँ ऐसी इजाजत देने की इजाजत भारतीय संविधान और धाराशास्त्र सरकार को दे रहा है ? क्याँ मीडिया के नियंत्रित अंश भी इस तरह की नियंत्रणमुक्ति की माँग नहीं करेंगे ? क्याँ उसके भयानक से भी भयानक परिणाम भुगतने के लिये यह देश तैयार है ? क्याँ ऐसी गंदी गालियाँ, भयंकर अश्लीलता और गंदे से गंदा व्यभिचार इस देश की संस्कृति, धर्मो, सामाजिक परिस्थिति और पारिवारिक स्वस्थ जीवन के अनुरूप है ?

या सरकार को आज ही यह सारी की सारी गंदगी साफ करके मीडिया को सद्गुणों, नैतिकता, सदाचार और करुणा का प्रसार करने के लिये बाध्य कर देना चाहिये, या फिर जाहिर कर देना चाहिये कि अब से भारतीय मानव को

शीघ्र से शीघ्र पशु बन जाना है, जहाँ क्या बोलना - न बोलना, खाना न खाना, करना - न करना - दिखाना - न दिखाना - इसके विषय में कोई भी नीति - नियम नहीं हैं, हर व्यक्ति किसी के भी साथ पति/पत्नी जैसा व्यवहार कर सकता है, फिर चाहे वे उसके देवर - भाभी - सास - ससुर - बेटा - बेटी या माता - पिता भी क्यों न हो, अब न बलात्कार अपराध है, न ही खून । आप शुभ शब्द बोलो या गंदी से गंदी गालियाँ, आप कपडे पहनो या निर्दस्त्र प्रदर्शन करो - बँधन और नीतिनियम तो मानवीय संस्कृति में, त्रीय ही होते हैं, पशुओ में नहीं । सरकार के पास यही दो विकल्प है, उनमें से वह जो चाहे, चुन सकती हैं ।

[11] क्याँ इस देश में कोई नारीवादी संस्था हि नहीं है ?

आज की नारी अनेक समस्याओं से मानो जिंदा जल रही है . आज की नारी प्रतिदिन थोड़ी ज्यादा असुरक्षित होती जाती है, कब कौन क्याँ करें, और नारी कैसी स्थिति में पहुँच जाये, उसका कोई भरोसा नहीं है, दुसरी बाजु घरेलु झगड़े और घरेलु हिंसाये बढ़ रही है. तीसरी बाजु नारी को न चाहते हुए भी अनुचित वस्त्र पहनने पड़े ऐसा वातावरण बन रहा है, चौथी बाजु उसे जोब करने के लिये उकसाये ऐसा माहोल है, पाँचवी बाजु महेगाई की बजह से उसे मज़बूरी से भी जोब करनी पड़े ऐसी परिस्थिति है, पाँचवी बाजु हवसखोर भेडिये उस पर नजर बिगाड़ रहे है, छठवी बाजु विकृत मनोदशावाले लोग उसका पीछा कर रहे है, सातवी बाजु नारी की आपनी हवस हजारगुना बढे, और उन भेडियों की भी हवस हजारगुना बढे उसके लिये मीडिया हजारगुनी ताकत के साथ तूट पड़ा है, आँठवी बाजु हर कदम पर ऐसे ही निमित्त उभर रहे है, जिनसे अच्छे अच्छे लोग भी भ्रष्ट हो जाये।

ऐसे वातावरण में नौवी बाजु एक एसा राक्षस आ चूका है, जो नारीहित के टुकड़े टुकड़े करके नारी की भयानक दुर्दशा कर रहा है, जिसका नाम है नियंत्रणमुक्त मीडिया । जहा नारी को गंदे से भी गंदी स्थिति मे प्रस्तुत किया जाये , जहा नारी को अपने सगे भाई , सगे बेटे, सगे बाप, देवर और ससुर के

साथ व्यभिचार करती हुयी दिखाई जाये, जहा नारी अपने स्टुडन्ट को अपने साथ व्यभिचार करने के लिये प्रेरित करती हुइ दिखाई जाये, जहा नारी के मुँह से भी गंदी से गंदी गालियाँ बुलवायी जाये, जहा नारी को अश्लीलता की सभी तरहों का उल्लंघन करती हुई दिखाई जाये, जहा नारीसम्मान की धज्जिया उड़ाइ जाये, जहा हर कोइ नारी वेश्या ही है ऐसा सा भयानक झूठ प्रस्थापित किया जाये, जहा ऐसा पुरवार करने का परोक्ष प्रयास किया जाये कि विश्व की कोई भी नारी में मातृत्व, भगिनीत्व , पुत्रीत्व , भाभीत्व , सासत्व , मौसीत्व आदि कुछ भी है हि नहीं, दुनिया की सभी नारीयाँ आप की पत्नी ही है- ऐसा समज लो, फिर चाहे वह आप की सगी माँ हि क्यों न हो ?

यह मीडिया साबित करना चाहता है कि कोइ भी नारी बदचलन, चरित्रहीन और वेश्या ही होती है, यह मीडिया साबित करना चाहता है कि यदि आप कोई भी नारी को बुरी से भी बुरी नजर से देख रहे हो तो आप कुछ भी गलत नहीं कर रहे हो | यह मीडिया साबित करना चाहते है कि संसार की सभी की सभी नारी आपके मनोरंजन का और गंदी गालियों का पात्र बन सकती है | यह मीडिया साबित करना चाहता है कि न बलात्कार में कोइ अपराध है न ही बेवफाइ में, आप नारी को बिन्धास्त एक खिलौना बना सकते हो, और उसके साथ जो खेल खेलना चाहें वह खेल सकते हो | यह मीडिया साबित करना चाहता है कि नारी कभी भी सम्माननीय होती ही नहीं है, नारी केवल आप की हवस की भूख को मिटाने के लिये एक प्रकार का भोजन है, जिसे चबा कर खा लो और उसका रस चूस कर उसे विष्टा की तरह फैंक दो |

आँकड़े हि दिखा रहे है कि लोकडाउन के दौरान इसी राक्षस ने अच्छे अच्छे लोगों को हवसखोर भेडिया बना दिया और जैसे ही लोकडाउन पूरा हुआ वे भेडिये नारी पर तूट पड़े | भारत की हज़ारो - लाखो नारीयों की इज्जत लुटी गयी | करोडो नारीयाँ अपने घर मे ही असुरक्षित हो गयी | नारी अबला होती है, जो पारिवारिक सुरक्षा में ही सुरक्षित रह सकती है , इस राक्षसने परिवार को ही तोड़ दिया , चूर चूर कर दिया | जब माँ माँ नहीं रहती , बहन बहन नहीं रहती,

बेटी बेटी नहीं रहती, भाभी भाभी नहीं रहती, तब पत्नी भी पत्नी नहीं रहती। परिवार टूटने के बाद, परिवार के बिखर जाने के बाद नारी के संपूर्ण भविष्य की जिम्मेदारी कौन लेगा ? क्या वे हवसखोर भेडिये उसका दायित्व अपने सिर लेंगे ? क्या वे नारी को सम्मानपूर्वक जीवन प्रदान करेंगे ? या फिर उस नारी को मज़बूरी से भी वेश्या हि बनना पड़ेगा ? शायद उसने जीवननिर्वाह के लिये वेश्यावृत्ति भी कर ली, फिर भी बुढ़ापे में उस का कौन ? कौन उसे पालेगा ? कौन उसकी देखभाल करेगा ? कौन उसका हमदर्द बनेगा ? कौन उसे अंतिम श्वास तक सँभालेगा ? वे हवसखोर भेडिये ? वे तो उसके पास कुछ होगा वो भी लुट कर भाग जायेंगे ।

नारी पर इससे बड़ा अत्याचार और क्या हो सकता है ? फिर उसका टूटा हुआ दिल व्यसनों की ओर मुड़ेगा , वह ड्रग्स की आदी बनेगी , वह डिप्रेशन में चली जाएगी , वह शारीरिक और मानसिक रोगों की शिकार बनेगी , वह अपने संतानों की अपने हाथों से हत्या करके खुद आत्महत्या कर लेगी ।

भारतीय संस्कृति ने शील , सदाचार, लज्जा और मर्यादाओं के द्वारा नारी को जो सम्मान दिया है, उसका दुनियाभर में कोई जवाब नहीं है । नारीसम्मान हि नारी को भी स्वस्थ जीवन दे सकता है, और परिवार , समाज तथा देश को भी स्वस्थ जीवन दे सकता है , आज देश टूट रहा है, यतः समाज टूट रहा है, यतः परिवार टूट रहा है , यतः नारी टूट रही है, यतः नारीसम्मान टूट रहा है, यतः इस वल्गर मीडिया नाम के राक्षस को हर बँधन से, हर नीति - नियम से मुक्ति दी गयी है ।

क्या कुछ अल्प लोगो की जेब भरने के लिये नारी को इस तरह बलि की बकरी बना देना न्यायिक है ? क्या कुछ अल्प लोगो की जेब भरने के लिये इस देश के १३५ करोड़ लोगो को हर तरह से बर्बाद कर देना उचित है ? क्या कुछ अल्प लोगो की जेब भरने के लिये पूरे देश के अर्थतंत्र को खतम कर देना जरूरी है ? आप मानो या न मानो , दिन रात इसी गंदगी में डुबे हुए युवा- पौढ़ अपनी पढाई

, धंधा, नौकरी, रोजगार, आमदनी, घर की जिम्मेदारी, तन का आरोग्य, मन का स्वास्थ्य सब कुछ इसी गंदगी पर कुरबान कर रहे हैं, इस तरह महेंगाइ बढ़ेगी, बेरोजगारी बढ़ेगी और देश के अर्थतंत्र की कमर तूट जाएगी इतना निश्चित है।

नारीसम्मान पुरे राष्ट्र की आधारशिला होती है, जब वह तूट जाती है, तब पूरा राष्ट्र टूट - फूट कर गिर पड़ता है। आश्चर्य तो इस बात का है कि अब तक एक भी नारीवादी संस्था इस वल्गर मीडिया स्वरूप राक्षस के खिलाफ कड़ी नहीं होई। उससे भी ज्यादा आश्चर्य और आघात की बात यह है कि जब जब कोइ सज्जन नारीसम्मान के लिए आगे आता है और जिस जिस हेतु से नारी की गंदी मज़ाक उड़ायी जाती है उसका विरोध करता है, तब तब उसका विरोध किया जाता है, और उसका उपहास किया जाता है। फलस्वरूप नारी की बर्बादी जारी रहती है। फलस्वरूप परिवार, समाज और राष्ट्र की बर्बादी भी जारी रहती है।

आज महर्षि वेदव्यास के शब्द फिर से बोलने का मन हो रहा है

उर्ध्वबाहुर्बिरौम्येष, न च कश्चित् शृणोति मे।

“मैं अपने दौनों हाथ ऊपर करके चिल्ला रहा हूँ। पर कोइ मेरी बात नहीं सुन रहा।”

क्याँ भारत सचमुच बर्बाद हो जायेगा ?

क्याँ कोइ भी यह बात नहीं सुनेगा ? क्याँ नारीवादी संस्था भी नहीं ? क्याँ कोइ नारी भी नहीं ?

नहीं, ऐसा तो हम कैसे होने दे ? चलो, हम सब मिलके आवाज उठाये, फिर इस राक्षस के पास भाग खड़े होने के सिवाँ और कोई विकल्प ही नहीं होगा।

[12]

विश्व का एक भी धर्म प्रसारतंत्र की गंदगी का समर्थन नहीं कर रहा है |

विश्व के सौभाग्य की बात है कि भले ही मानवने इस आखरी अर्धसदी में असंख्य परिवर्तन स्वीकार लिये | पर अपने अपने धर्म के मूल ग्रंथ में कोई भी परिवर्तन नहीं किया | रिज़ल्ट यह आया की आदमी भले ही भ्रष्टाचार की सारी सीमाये लाँघ गया, धर्मग्रंथ तो नैतिकता और प्रमाणिकता का ही संदेश दे ते रहे, आदमी भले ही निर्दय और निष्ठुर बन गया, धर्मग्रंथ तो प्रेम और करुणा का ही संदेश देते रहे, आदमी भले ही बेलगाम झूठ बोलने लगा, धर्मग्रंथ तो सत्य का ही उपदेश देते रहे | आदमी भले हि क्रोध से आगबबूला होने लगा धर्मग्रंथ तो शांति और क्षमा का ही उपदेश देते रहे |

इसी शृंखला में एक अत्यंत गंभीर बात यह बनी की पिछले पचास साल से हमारे देश में शिष्ट वेष , शिष्ट भाषा और सदाचार में बहुत ही भयानक गिरावट आयी | हमारी सामाजिक मर्यादाये शिथिल बनी | हमारे यहाँ कोई भी पुरुष अपनी पत्नी के साथ भी जाहिर में बात करने में शर्म महसूस करता था, उसे जाहिर में छूने की तो कल्पना भी नहीं कर सकता था | और जो उसकी पत्नी नहीं है उसके सामने तो देखना भी पाप माना जाता था | यह वास्तव में बंधन नहीं था, सुखी स्वस्थ पारिवारिक जीवन और एक तंदुरस्त समाज की नीव थी | तलाक , व्यभिचार , पुलिस केस, कोर्ट केस, परस्पर का अविश्वास , ब्लेकमेलिंग , भयंकर झगड़े , पूरी की पूरी रात तक तूँ तूँ मैं मैं , अनाथ बच्चे , भ्रूणहत्याए , भयंकर आर्थिक संकट , रोजी की समस्या , नारी की सलामती की समस्या , बच्चों की परवरिश की समस्या , अपनी संतान भी वास्तव में अपनी संतान है याँ नहीं , इस बात की आशंका की समस्या , भयंकर मारपीट , पति / पत्नी की हत्या या आत्महत्या - इन सब का हमारी संस्कृति में स्थान ही नहीं था |

पर शिष्ट वेष , शिष्ट भाषा और सदाचार में गिरावट होने से इन सारी समस्याओं ने हमारे पूरे देश पर आक्रमण किया और देश हर तरह से बर्बाद होने लगा | इस सारी बर्बादी में प्रमुख योगदान किसी का रहा हो , तो वह है प्रसारतंत्र |

यदि एक नारी हमारे महोल्ले में आकर जाहिर में अपने कपडे उतारती है याँ कोई अश्लील हरकत करती है, तो हमारा पूरा महोल्ला उसका विरोध करेगा, पुलिस को बुलाएगा, उस नारी को धक्के मरवाकर निकाल देगा, फिर कभी नहीं आने की चेतावनी देगा, यतः हम समजते हैं कि यह न केवल हमारे धर्म और संस्कार से विरुद्ध है, हमारे पारिवारिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिये भी बड़ा खतरा है, यदि ऐसा ही चलता रहा तो हमारी बहु - बेटियाँ वेश्या बन जाएगी , हमारे लड़के आवारा और अस्याश बन जायेंगे , हमारे घर घर के विवाह सम्बन्ध तुटने लगेंगे , हमारे समाज की मनोदशा अत्यंत विकृत हो जाएगी, कोई भी कभी भी अपने दिमाग का संतुलन गवा बैठे और किसी के भी ऊपर बलात्कार कर दे, ऐसी स्थिति आ जायेगी , यह केवल नग्नता या अश्लीलता ही नहीं है, यह हमारा सब कुछ लूँट जाने का षड्यंत्र है, उसे तो हम कैसे बरदास्त कर सकते हैं ?

मान लो कि महोल्ला का कोई लड़का बीच में आता है, "आप को क्याँ एतराज है ? आपको मत देखना हो तो मत देखो, अपने घर में जाकर सो जाओ , मुजे यह देखना पसंद है, मैं यही देखना चाहता हूँ, मुजे ऐसा देखने में मज़ा आता है, तो आप उस नारी को भगानेवाले कौन होते हो ?"

बोलो, अब हमारा क्याँ प्रतिभाव होगा ? महोल्ले के समज़दार पौढ़ लोग उस लड़के को एक चांटा मार देंगे और कहेंगे , बेवकूफ ! यह इन्सानों का महोल्ला है , जहाँ नैतिकता के नीतिनियम हैं और सदाचार की मर्यादाए हैं , यदि तुजे नग्नता और अश्लीलता ही चाहिये, तो पशुओं के साथ रहना शुरू कर दे, वहा न वस्त्र होते हैं , न नैतिकता , न सदाचार , न ही मर्यादा | यह महोल्ला तो मानवों का है | यहा यह सब नहीं चलेगा |"

सच बोलो, यह ही होगा ना हमारा प्रतिभाव ! मैं पूछना चाहता हूँ कि वही अभद्रता , नग्नता , अश्लीलता और अनैतिकता यदि हमारी टी.वी. स्क्रीन पर या मोबाईल स्क्रीन पर आये, तो क्या वह अच्छी हो जायेगी ? न्यायिक हो जायेगी ? क्या उसके भी वही सभी दुष्परिणाम नहीं हैं ? क्या उससे हमारा परिवार नष्ट - भ्रष्ट नहीं हो जायेगा ? क्यों उससे हमारा सामाजिक स्वास्थ्य बिगड़ नहीं जायेगा ? क्या उससे हमारी बहु - बेटीयाँ वेश्या नहीं बन जायेगी ? क्या उससे हमारे लड़के आवारा और अर्याश नहीं बन जायेंगे ?

यदि बात वही की वही है, परिणाम भी वही का वही है, तो फिर एक का सख्त विरोध और दुसरे का हार्दिक स्वागत, इतना बड़ा अंतर क्यों ? इतना अंतर होते हुए भी यह बर्बादी को रोका जा सकता है, यदि प्रसारतंत्र अश्लील प्रसारण पर नियंत्रण लाये | पर दुर्भाग्य से हमारे सेन्सर बोर्ड की कैची उतरोतर कुंठित होती जा रही है, प्रसारतंत्र हमारे अच्छे से अच्छे घरों में गंदी से गंदी गंदगी उगल रहा है और इतना मानो कम हो, इस तरह वर्तमान में कुछ प्रसारण को सभी नियंत्रणों से मुक्त करके सारी सीमाएँ लाँघ दी हैं, और इस देश के १३७ करोड़ लोगों की पारिवारिक - शारीरिक - मानसिक - आर्थिक - सामाजिक - नैतिक स्वस्थता पर एक अणुबम ही फेंक दिया है | इसके फलस्वरूप समग्र देश में यौन - अपराधों में और खून - मारपीट - झगड़े जैसे अपराधों में भयंकर वृद्धि हो रही है | सारा का सारा देश बर्बादी की ओर दौड़ सा रहा है |

एक बाजू स्थिति यह है, तो दुसरी बाजू हमारे देश के प्रत्येक धर्म के धर्मग्रंथ इस नग्नता , अश्लीलता , व्यभिचार और अनैतिकता का स्पष्ट रूप से विरोध ही कर रहे हैं |

वैदिक धर्म में देखे, तो पुराणों में - शीलभङ्गेन दुर्वृताः पातयन्ति कुलत्रयम् - जैसे वचनों से गंदगी भरे प्रसार तंत्र का एक तरह का विरोध ही किया गया है | भगवान श्रीराम की मर्यादा पुरुषोत्तमता , भगवान श्री कृष्ण ने की हुई द्रौपदी की शीलरक्षा , विषयान् विषवत्यज - जैसे गीताग्रंथों का संदेश, यह सब देखते

हुए हिन्दु समाज के एक भी अनुयायी गंदे प्रोब्राम्स के प्रसार का विरोधी ही हो सकते हैं |

बौद्ध धर्म में देखे , तो धर्मपद ग्रंथमे - यो च वरससतं जीवे - श्लोक से दुःशील का १०० साल जीना भी निष्फल बताया गया है और सुशील का एक दिन भी जीना श्रेयस्कर बताया गया है , तो बौद्ध धर्म का कोइ भी अनुयायी ऐसी दुःशीलता का समर्थन कैसे कर सकता है ?

इस्लाम धर्म में देखे तो कुर्आन - मजीद में सूरः निसा की १७-१६-१७-२३-२४-२७-२६ वी आयतों में, सूरः बनी इसराइल की ३२ वी आयत में और अन्य भी आयतों में बदकारी - व्यभिचार , अश्लीलता , अपशब्दों एवं दुःशीलता पर अल्लाह की स्पष्ट मनाई घोषित की गयी है, तो स्पष्ट है कि कोइ भी मोमिन इस गंदे प्रसारतंत्र का विरोधी ही हो सकता हैं|

जैन धर्म में देखे तो उत्तराध्ययन सूत्र आदि आगमो में शील, सदाचार, वैराग्य, मर्यादा और नैतिकता का जो स्पष्ट उपदेश दिया गया है, उसे देखे तो कोई भी जैन इस अश्लील प्रसारतंत्र के खिलाफ ही हो सकता हैं|

सीख धर्म में देखे तो गुरु साहिबों के हुकुमनामो में- चोरी - जारी नहीं करणी - ऐसा स्पष्ट आदेश है, तो कोई भी सीख इस प्रसारतंत्र की गंदगी का स्वागत नहीं ही कर सकता |

स्वामिनारायण धर्म में देखे तो वचनामृतो में गढडा प्रकरण , सारंगपुर प्रकरण , लोया प्रकरण आदि अनेक प्रकरणों में दुराचार , द्रष्टिदोष , हवस आदि का सशक्त रूप से खंडन किया गया है, तो स्वामिनारायण धर्म का कोइ भी अनुयायी यही चाहेगा कि यह गंदा प्रसारण शीघ्र से शीघ्र समाप्त हो जाये|

ख्रिस्ती धर्म में देखे तो बाइबल में स्पष्ट कहा है की परस्त्री के साथ व्यभिचारी संबंध रखनेवाला अत्यंत बुद्धिहीन है , वह अपनी आत्मा के लिये, विनाशक

कृत्य कर रहा है, तो ख्रिस्ती धर्म का कोई भी फोलोअर इस गंदगी का समर्थन नहीं ही कर सकता है |

एक ओर हमारे श्रद्धेय सभी भगवान एक ही आवाज में हमें आदेश कर रहे हैं कि यह सारा कूड़ा- कचरा उठा कर इतना दूर फेंक दो कि उसकी गंध तक न आये, दुसरी ओर हमारी पारिवारिक और सामाजिक परिस्थिति पर यही कचरा बमवर्षा कर रहा है और तीसरी ओर प्रसारतंत्र की शिथिलता से यह कचरा ज्यादा से ज्यादा बढबूदार होता जा रहा है , अब हमें क्या करना वह हमें तय करना है |

[13] માતા-પિતા દ્રષ્ટીકોણ

I am telling you my heart,
તમે આવું ગુંદુ જુઓ
ને ગુંદુ સાંભળો
એના માટે તો તમારી મમ્મીએ
તમને જન્મ ન'તો આપ્યો.

આવા ગંદા આનંદને પામવાના બદલે
તમારી મમ્મીના
આઘાતને માપવાની try કરશો
તો તમારું માથું ગૌરવથી ઊંચું રાખી શકશો.

૯-૯ મહિના તમારી મમ્મીએ
પોતાના પેટમાં તમને ઊંચક્યા
એ સંસ્કારી જીવન જીવવા માટે
નહીં કે
વલગર મીડિયાના પનારે પડીને
માનવમાંથી પશુ બનવા માટે

તમારી મમ્મીએ climax pain
Bare કરીને તમને જન્મ આપ્યો
Because
એને આશા હતી કે તમે એક Gentleman બનશો.
નહીં કે
વલગર મીડિયાના શિકાર

તમે એ રાત યાદ કરો
જ્યારે તમારી મમ્મીએ આખી રાત ઉજાગરો કરી

ઉવાં ઉવાં કરતા તમને સાચવ્યા હતા
શું આ બધી કાળજી એના માટે હતી
કે તમે વલગર મીડિયાના શિકાર બનીને
આટલા નીચે ઊતરી જાઓ ???

તમે એ દિવસો યાદ કરો
જ્યારે તમારી મમ્મી પોતાના હાથે
તમારા મળ-મૂત્ર સાફ કરતી હતી
તમે મોટા થઈને
વલગર મીડિયાના પનારે પડીને
આખી જિંદગીને ગંદી – ગોબરી કરી નાંખો
એના માટે તો મમ્મીએ આટલી મહેનત ન'તી કરી.

તમે એ દિવસ યાદ કરો
તમને સૂતા સૂતા જ મોશન થઈ ગયેલ
મમ્મીએ અડધી રાતે
હેરાન પરેશાન થઈને બધું જ ધોયું
તમને સ્વચ્છ બિછાના પર સૂવડાવ્યા
શું મમ્મીની આ બધી જ મહેનત
તમને મીડિયાની ગંદકીને હવાલે કરવા માટે હતી ?

તમે એ દિવસ યાદ કરો
લગ્નપ્રસંગે મમ્મી એની સહેલીઓને મળી હતી
કેટલી ખુશ હતી મમ્મી !
કેટલી મજા આવતી હતી એને વાતો કરવાની
ને તમે એના ખોળામાં જ...
સાડી બગડી- પ્રોગ્રામ બગડ્યો-રંગમાં ભંગ પડ્યો...
પણ મમ્મીએ મોઢું ન બગાડ્યું.
શું મમ્મીએ કરેલી એ બધી જ માવજત

એના માટે હતી

કે આવા ગંદા મીડિયા દ્વારા

તમે તમારા તન, મન, જીવનને બરબાદ કરી દો ?

તમે એ દિવસ યાદ કરો,

તમે અડધી રાતે પથારી પલાળી હતી,

મમ્મીની આંખો ખુલી,

મમ્મી situation ને સમજી ગઈ.

મમ્મીએ તમને ઉપાડ્યા

મમ્મીએ તમને સૂઝામાં સૂવાડ્યા

ને મમ્મી પોતે ભીનામાં સૂઈ ગઈ

શું મમ્મીનું આ બલિદાન એના માટે હતું

કે તમે વલ્ગર મીડિયાના શિકાર બનીને

કોઈની મા-બહેન-દીકરી પર નજર બગાડો ?

તમે એ દિવસ યાદ કરો,

ઘરમાં પૈસા ઓછા આવતા હતા,

રસોઈ ઓછી બનતી હતી,

મમ્મી તમને પેટ ભરીને જમાડીને

પછી વધ્યું-ઘટ્યું ખાઈ લેતી

ને ઉપર બે-ત્રણ ગ્લાસ પાણી પી લેતી

શું મમ્મીનું એ બલિદાન

તમે મોટા થઈને વલ્ગર મીડિયા પર

ગંદી ગાળો સાંભળો

ને તદ્દન અશ્લીલ જુઓ

એના માટે હતું ?

તમે એ દિવસ યાદ કરો

જ્યારે તમારી સાઈકલ લાવવા માટે

મમ્મીએ એની બુટ્ટી વેંચી દીધી હતી
શું મમ્મીનો આ ત્યાગ એના માટે હતો ?
કે તમે મોટા થઈને
આવું ગુંદું સાંભળો ને ગુંદું જુઓ ?

તમે એ દિવસો યાદ કરો
જ્યારે તમારી examsમાં
મમ્મીએ બધું જ tension એના માથે લીધું,
એણે ય ઉજાગરા કર્યા
એ તમને class room સુધી મુકવા આવી,
એ તમારું paper સારું જાય
એના માટે ભગવાનને પ્રાર્થના કરતી રહી
તમારી જિંદગીના માલિક તમે નથી,
તમને અહીં સુધી લાવનાર તમારી મમ્મી
એ તમારી જિંદગીની actual owner છે.
તમારી મમ્મી હરગીઝ નથી ચાહતી
કે તમે 1 સેકંડ પણ
આ વલગર મીડિયાના contactમાં આવો,
Plz. Think well, what should you do ?
તમે એ દિવસો યાદ કરો
જ્યારે તમારા પપ્પા પરસેવો પાડી મજૂરી કરી
તમારું ભરણ - પોષણ કરતા હતાં,
દુનિયાનો દરેક બાપ દિકરાને સંસ્કારી બનાવવા ઈચ્છે છે.
તમારા પપ્પા હરગીઝ નથી ઈચ્છતા
કે તમે આવા વલગર મીડિયાના પ્રેક્ષક બનો.
શું એ ઉપકારીની લાગણીને
તમે સાવ જ કચડી દેશો ?

તમે એ દિવસો યાદ કરો
જ્યારે પપ્પા થાકીને ઘરે આવ્યા હતા
તમે ભેંકડો તાણીને પીચકારીની માંગણી કરી હતી.
પપ્પા જમાવાની થાળીથી ઉઠીને બજારમાં ગયા
તમારી ઈચ્છા પૂરી કરી.
એ પપ્પા જો જાણે
કે જેને મેં આટઆટલું ઘસાઈને મોટો કર્યો,
એ આવા વલગર મીડિયાના Contact માં આવે છે.
તો એમને કેટલો આઘાત લાગશે ?
આટલા ઉપકારીની લાગણી ખાતર પણ
શું આપણે આ ગંદકીને છોડી નહીં શકીએ ?

[14] પરિવાર દ્રષ્ટીકોણ

જો વલગર મીડિયા સામે આપણે ચૂપ રહ્યા
તો દેશમાં કમ સ્વે કમ રપ કરોડ લોકો
વિકૃત માનસિકતાથી પીડાશે
અને એમની આજુબાજુના લોકો માટે
ખૂબ જોખમી બનશે
જેમાં તમારા ઘરના સભ્યો પણ
ઝપટમાં આવી શકે છે.

જો આજે તમે વલગર મીડિયા માટે
સાવ જ ચૂપ છો
તો કાલે એનો રેલો
તમારા પગ નીચે ચ આવશે
ને તમે ગળા ફાડીને રડશો.

જો આજે તમે કશું ન બોલ્યા
તો કાલે રાડા પાડવાનો

કોઈ અર્થ જ નહીં રહે

જો આજે તમે સિંહગર્જના કરીને
વલગર મીડિયાને ભગાડી ન દીધું
તો કાલે એ
તમારા આખા ઘરને બરબાદ કરી દેશે

આપું ગુંદુ ને ગલીચ મીડિયા
જો ચાલું જ રહ્યું
તો શોર્ટ ટાઈમમાં એવો દિવસ આવશે
જ્યારે વ્યક્તિ એના ઘરે પણ
સેફ નહીં હોય.

જો આવા ગંદા-ગલીચ મીડિયા સામે
કોઈ જ અવાજ ન ઉઠાવ્યો
તો આવતી કાલે
આપણા ઘરમાં જ
નીચમાં નીચ ભાષા અને નીચમાં નીચ વર્તણૂક
બંને ચાલુ થઈ જશે
Are you ready for it

તમારી ચાર વર્ષની કળી
ખીલતા પહેલા જ તૂટી ન જાય
એ માટે
આ વલગર મીડિયાને તોડી નાંખવું
બેહદ જરૂરી છે.

જો મીડિયાની આ અશ્લીલતા સામે

તમે કશું ન કર્યું
તો તમારે તમારી પાંચ વર્ષની દીકરીને
પડોશીઓથી બચાવીને રાખવી પડશે.

સાયબરની અસ્વચ્છતા
તમારું ઘર, પરિવાર, જીવન
બધાને ગંદી ગટર અને ઉકરડો બનાવી દેશે
લીટરલી તમારું માથું ઢાટી જશે
Are you ready for it

મીડિયાની ગંદકી સામે
જો તમે કોઈ જ અવાજ ન ઉઠાવ્યો
તો કાલે તમારી લાડલી
સ્કૂલથી હેમખેમ પાછી આવી જાય
એવું પણ બની શકે

મીડિયાને એમ ને એમ ચાલવા દીધું
તો તમારી દીકરી
કોઈ ભૂખ્યા વરુઓને કદી પણ શિકાર ન જ બને
એવું પણ થઈ શકે
But rare possibility

વલગર મીડિયા આ જ રીતે
નીચે ઉતરતું રહ્યું
તો આપણા ઘરના બે વર્ષની બેબીથી લઈને
બાણુ વર્ષના માજી સુધીના બધા માટે
સિક્યુરીટી ગાર્ડ્સ રાખવા પડશે, એ પણ એવા
કે જેઓ વલગર મીડિયા ન જોતા હોય.

વલ્ગર મીડિયા જે લેવલ પર આવી ગયું છે.

એ લેવલ પર

શોર્ટ ટાઈમમાં આખો દેશ આવી જશે,

ત્યારે આ દેશ જાનવરોનો દેશ બની જશે.

વલ્ગર મીડિયા સારા માણસોને ય

ગુંડા-લબાડ-લુખ્ખા બનાવવા માટે જંગે ચડ્યું છે

એટલે હવે તમારે

જીવવા માટે જંગે ચડવું પડશે

વલ્ગર મીડિયાની પ્રવૃત્તિ જોતા એના ૭ લક્ષ્ય સમજાય છે.

૧. ગાળો આ દેશની રાષ્ટ્રભાષા બને

૨. અશ્લીલતા આ દેશની રાષ્ટ્રશૈલી બને

૩. અભદ્ર ડાયલોગ્સ આ દેશનો રાષ્ટ્રગ્રંથ બને

૪. વાસનાભૂખ્યા વફૂઓ આ દેશનું રાષ્ટ્રીય પ્રાણી બને

૫. આ દેશની પ્રત્યેક રત્રી વેશ્યા બને

૬. આ દેશનો એક એક માણસ વ્યભિચારી બને

૭. જાત જાતના બધા જ સંબંધોનું સ્થાન ફક્ત એક જ સંબંધ લે - વ્યભિચાર સંબંધ

Are you ready for it ?

તમારો દીકરો સવારે ૬ વાગે સૂવે

ને ૨ વાગે ઉઠે

બે પૈસા ય ન કમાય

ને તમારી સાથે ગાળાગાળી કરે,

આવું જો તમે ઇચ્છતા હો

તો વલ્ગર મીડિયાનો કોઈ જ વિરોધ ન કરતા..

તમારી લાડલી

આખી જિંદગી બ્લેકમેઈલ થતી રહે

ને લોહીના આંસુ પાડે
એવું જો તમે ઇચ્છતા હો,
તો વલ્ગર મીડિયાને બિન્દાસ્ત ચાલવા જ દો.

તમારી લાડલી
એના પતિના લક્ષ્મીઓથી
દુઃખી દુઃખી થઈ જાય
એવું તમે ઇચ્છતા હો
તો વલ્ગર મીડિયા સામે અવાજ ઉઠાવવાની
તમને કોઈ જ જરૂર નથી.

તમારી લાડલીના
બધા જ અરમાનો ચૂર ચૂર થઈ જાય
એવું તમે ન ઇચ્છતા હો તો
Join us

We are working
For your daughters
Safety.
Join us.

અમારો પ્રયાસ છે
પવિત્ર સંબંધોની પવિત્રતા માટે
Join us.

અમારો પ્રયાસ છે
સુખી માનવીય જીવન પરના
દાનવીય પ્રહારોને હટાવવા માટે

દર્દેહ ેજ

અમારો પ્રયાસ છે
સગા ભાઈ-બહેનને હંમેશ માટે
સગા ભાઈ-બહેન રહેવા દેવા માટે,
શું તમે આ પ્રયાસમાં નહીં જોડાઓ ?

અમારો પ્રયાસ છે
મા-દીકરીના સંબંધને
કાયમ માટે પવિત્ર રહેવા દેવા માટે
શું તમે આમાં નહીં જોડાઓ ?

અમારો પ્રયાસ છે
આપ દીકરીને
હંમેશ માટે બાપ-દીકરી રહેવા દેવા માટે
શું આપ આ માટે કશું જ નહીં કરો ?

અમારો પ્રયાસ છે
દિયરને ભાભીમાં કાયમ 'મા'જ દેખાય
એના માટે
શું આપ સાથે નહીં જોડાઓ ?

અમારો પ્રયાસ છે
પૌત્રી માટે દાદા કાયમ દાદા જ રહે
એ માટે,
શું આપને આ બરાબર નથી લાગતું ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?
કે નારી At least

એના ઘરમાં તો Safe હોય ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે આપનો પરિવાર

હરગીઝ વેરવિખેર ન થવો જોઈએ ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે એક પુત્રવધુને એના સસરાથી

કોઈ જ ડર ન હોવો જોઈએ ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે ઘરનો નોકર

ઘરની લાજ લૂંટી ન જાય ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે આપની દીકરી હરગીઝ એવું કામ ન કરે

જેનાથી આપનું મોઢું કાળું થાય ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે આપની દિકરી એક સુખી-સ્વસ્થ - પારિવારિક જીવન

માણી શકે ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે આપના ઘરની કોઈ પણ વ્યક્તિ પર

કોઈ ખરાબ નજર ન કરે ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?

કે આપની 'મા'ને બીજા પણ 'મા'તરીકે જ જુએ ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?
કે આપની દીકરીને
સાસરેથી પાછા ન આવવું પડે ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?
કે જેનાથી મગજ બેકાબુ બની જાય,
કંઈ પણ થઈ જાય
ને બહુ મોટા ગુનામાં આવી જાય
એવા મીડિયાના સંપર્કમાં તમારો દીકરો
ન જ આવવો જોઈએ ?

શું આપ નહીં ઈચ્છો ?
કે તમારા દિકરાને
ઘરભંગનો આઘાત ન વેઠવો પડે ?

વલ્ગર મીડિયા
એ એક ભ્રષ્ટ્ર ડોક્ટર છે
જે સ્વસ્થ સમાજ, બોડીમાંથી
ચારિત્ર- કિડની ચોરી રહ્યું છે.

વલ્ગર મીડિયા
એ એક ભ્રષ્ટ્ર વડીલ છે
જે તદ્દન ખોટી વાતોને
સાચી ઠરાવી રહ્યું છે.

વલ્ગર મીડિયા
એ એક ભ્રષ્ટ્ર નેતા છે
જે પોતાના ખિસ્સા ભરવા
આખા દેશને બરબાદ કરી રહ્યું છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ રિવર્સ - સ્વીપર છે.

જે આખી દુનિયાનો કચરો
તમારા ઘરમાં ઠાલવી રહ્યો છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ રિવર્સ - ગટર લાઈન છે

જે તમારા બ્રેઈનમાં ઓપન થાય છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ એવું લેટ્રીન છે

જે ગંદામાં ગંદી વસ્તુઓને
તમારા મનમાં ફલશ કરે છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ સ્લો પોઈઝન છે

જે તમારા સુખ-શાંતિ-પૈસા-પરિવાર અને આબરૂને
ધીમે ધીમે ખતમ કરી દે છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ મધ ચોપડેલી છરી છે

જે પહેલા તો મીઠી લાગે છે.
પણ પછી મર્ડર કરી દે છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ જ તમારો ખરો દુશ્મન છે

જે તમારું મગજ સડાવી દે છે

પછી તમે પૈસો, પરિવાર, શરીર, શાંતિ

બધા ક્ષેત્રે માર જાઓ છો

વલ્ગર મીડિયા

એ ખિસ્સા-કાતરું છે.

જે તમને ખબર પણ ન પડે

એ રીતે તમને ખરાબ રીતે લૂંટી જાય છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ તમારા જીવનમાં આવેલો ઘરતીકંપ છે

જે તમારી આખી જિંદગીને

જમીનદોસ્ત કરી દે છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ તમારી લાઇફમાં આવેલી ત્સુનામી છે

જે તમારી જિંદગીભરની મૂડી, પરિવારની લીલી વાડી

આનંદમય જીવન

બધુ જ ડુબાડીને જંપવાની છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ તમારા ઘર પર થયેલું બોમ્બાર્ડિંગ છે

જેમાં તમારા ઘરના

કુરચે કુરચા ઊડી જવાના છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ તમારા સંતાનોના લમણા પર

બેહામ ચાલતી મશીનગન છે

જેનાથી તમારી પેઢીઓથી ચાલી આવેલી ખાનદાની

ખેદાન મેદાન થઈ જવાની છે.

વલ્ગર મીડિયા

એ તમારા ઘરમાં લગાવેલી કાંડી છે
જે ઘરને ભડકે બાળશે

વલ્ગર મીડિયા

તમને બધી રીતે બરબાદ કરવા માટે
બધી રીતે કામે લાગેલુ છે.

બે મહિના આવા વલ્ગર મીડિયાના

સંપર્કમાં રહ્યા પછી

હવે મારા દરેક વિચાર સાથે

પાંચ-સાત ગંદી ગાળો જોડાઈ જાય છે

મને ખબર છે

આ બહુ જ ગંદી ગાળો છે

મારે એનાથી છૂટવું છે... પણ હવે...

છાતી પર હાથ મુકીને વિચારો...

તમારી મમ્મી ઈચ્છે છે ?

કે તમે આપું જુઓ - સાંભળો...

આંખ બંધ કરીને

તમે તમારી દીકરીને યાદ કરો

તમે જે જોઈ-સાંભળી રહ્યા છો

એ જો એને ખબર પડે

તો તમારું માથું શરમથી મુકી નહીં જાય ?

તમારી બહેનના નિર્મળ સ્નેહને

તમારો આવા વલ્ગર મીડિયા સાથેનો contact ગમશે ?

कल मेरी माँ
सारी रात रोइ
मैंने गुरसे में उसे गंदी गाली बोल दी ।
सचमुच
वल्गर मीडियाने हमें शेतान बना दिया ।

मेरे पापा रातभर गंदे प्रोग्राम्स देखते रहते थे
धंधा चोपट हो गया ।
उनका दिमाग सड गया ।
वे बार बार हम सबको गंदी गाली बोलने लगे ।
कल भी ऐसा ही हुआ ।
मुज़ से सहा न गया ।
इस लिए मैंने उनका चाकु से मर्डर कर दिया ।

पडौसवाले चाचा दिन-रात गंदे प्रोग्राम्स देखते हैं ।
तब से मेरी मम्मी को
बुरी नज़र से देखते थे
कल जब मम्मी अकेली थी तब...
आज पापा को पता चला तो दौनों को मार डाला ।
अब केस चलेगा वे भी नहीं बचेंगे
वल्गर मीडियाने हम अनाथ बना दिया ।

मेरी बहन की स्कूल के एक लड़के ने
रिसेस में कुछ लालच देकर
मेरी बहन को टैरेस मे बुलाया
वहाँ उसके तीन साथी के साथ मिलकर
मेरी बहन पर...
वह चारों गंदे प्रोग्राम्स देख देखकर
अपने होश गँवा बठे थे ।

मेरे पापाने मेरी मम्मी
और मेरे चाचा का खून कर दिया ।
मे बहुत रोया... मैंने बहुत पूछा...
पापा ! आपने ऐसा क्यों किया ?
पापा कुछ भी नहीं बोले ।

पुलिस आकर पापा को ले गयी ।

दादी दादा पर चिल्ला रही थी,
दादी बहुत ही गुरसे में थी
आपको इस उम्र में भी शर्म नहीं आयी... और ...
ऐसा कुछ बोल रही थी ।
मेरी माँ जोर जोर से रो रही थी ।
पापा आये और मेरा बेट लेकर
जोर से दादा के सिर पर मार दिया ।
दादा की अर्थी और पुलिस की गाडी
दौनो साथ में निकले ।
दादी रोती हुइ एक ही बात दोहरा रही थी,
यह सारी आग गंदे मीडियाने लगायी है ।

मेरी बहन घर में से चोरी कर करके
उस लडके को पैसे देती रही
जो उसे ब्लेकमैल करता था ।
गंदे मीडियाने हमारे घर को बरबाद कर दिया ।

पहले मम्मी बाथरूम में ज्यादा रहती थी ।
फिर चोरी-चुपके से बाहर जाने लगी ।
फिर किचन में से
मम्मी-पापा के जोरदार झगडे सुनाइ देते थे ।
आज सुबह देखा
तो तकिया खून से लथपथ था ।
किसीने पापा का गला काट दिया था ।
और मम्मी लापता थी ।
दादी बोल रही थी
गंदे मीडियाने हमारा घर तबाह कर दिया ।

मैंने उसे बार बार कहा -
ऐसे प्रोग्राम्स मत देख मत देख
यह मीठा ज़हर है ।
पर वो न मानी
हमारा पूरा का पूरा संसार मर गया ।

डोक्टर्स का कहना है
कि उनको जो रोग हुआ है
वह एकदम नया है।
घंटों तक गंदे प्रोग्राम्स देखते रहने से
ऐसा रोग हो जाता है।
अभी तो इसकी कोई दवाई नहीं आयी है।
वे एक किसम के पागल हैं
ऐसा समझ के हमें उनके साथ व्यवहार करना है।
उन्हे ऐसा देखने से बिलकुल नहीं रोकना है।
अब वह समय गया।
अब यदि उन्हें रोका गया
तो वे किसी का खून भी कर सकते हैं।

मेरे भाई को अब यदि
गंदा मीडिया छोडाया गया
तो फिर उसे ड्रग्स देने पड़ेंगे,
क्योंकि यदि उसे
बराबर का नशा नहीं मिला
तो वह और जल्दी मर जायेगा।

मेरे बड़े भाई और बहन
अब भाई-बहन नहीं रहे।
सब कुछ खतम हो गया।

स्कूल की बजह से
मुझे स्मार्ट फोन मिला।
गंदे मीडिया की बजह से
मुझे व्यभिचार की स्कूल मिली।

मेरा भाई पहले तो
मम्मी को गालियाँ ही देता था
अब मारना भी शुरू कर दिया है।
गंदे मीडियाने
हमारे घर को नर्क बना दिया है।

मैंने ट्युशनटिचर को बहुत मना किया
मैंने प्लीज़ भी कहा
पर वे न माने
मैं क्या करूँ ?
यदि रिपोर्ट दर्ज करवाया
तो समाज में हमारी इज्जत क्या रहेगी ?
टिचर गंदे प्रोग्राम्स के आदी हो गये, तब से...

वैसे तो दादी की उम्र है ७३ साल
पर वह जवान
गंदा मीडिया देख देखकर
पागल सा हो गया था
वह मार खाते हुए भी न रुका ...
दादी बहुत ही बुरी तरह मरी ।

दादा और पोती की उम्र में
पूरे ७४ साल का अंतर था
पर...

सुसाइड तो होना ही था
सने बेटे की और से कोई माँ
ऐसा कैसे बरदास्त कर सकती है ?

पापाने सने बेटे का खून कर दिया
मम्मी ने सुसाइड कर दिया
घर के लोग कारन जानते हैं
पर सब खामोश है ।

पापा पूरी रात
गंदे प्रोग्राम्स देखते रहते
और दुकान में बैठे बैठे सो जाते,
धंधा तो गया
उपर से रोज की चोरीयाँ होने लगी ।

फोन में आते हुए
गंदे प्रोग्राम्सने
हमारे दूध, सब्जी, लाइटबिल, किराया
और पेट्रोल के खर्च की
समस्या खड़ी कर दी।
आमदनी ही बंद हो गयी,
हम कमाने के लिए समर्थ ही नहीं रहे
अब इन खर्चों का क्या करे ?

ये गंदे प्रोग्राम्सवालों ने
वैसे तो हम मुफ्त में यह सब दिया
पर वास्तव में
हमारा सारा घर लूट गया।

पड़ोशी का लडका
गंदे से गंदा प्रोग्राम देखा करता था।
इस किये मेरी बेटी का
एबोर्शन करना पडा,
बात गुप्त रखने पर भी फैल गयी
अब बेटी की जिंदगी भी गयी.
और हम भी गये।

वोचमैन ऐसे तो
बेकार ही बैठा रहता था।
प्रोग्राम्स चालु हुए सो देखने लगा।
बेकाबु तो होना ही था।
लडकी के भाईने उसका भी खून कर दिया
फाँसी नहीं तो जन्मटीप तो होगी ही ...
गंदे मीडियाने दौनो परिवार तबाह कर दिये।

ऐसा तो कम से कम
७७ महिलाओं के साथ हो चुका है
वह डोक्टर गंदे प्रोग्राम्स का
आदी है।
पहले तो अच्छे इन्सान थे

लेकिन गंदे मीडियाने

मम्मी मामा के घर से आ रही थी
तब ट्रेन में कुछ ऐसा हुआ
की मम्मी चालु ट्रेन से
कूदकर मर गयी।
अग्निसंस्कार के समय मेरे पीछे खडे रिश्तेदार
ऐसा बोल रहे थे
बाजुवाले यात्री बहुत ही गंदा प्रोग्राम देख रहे थे
सो वे अपने आपको रोक न पाये।

[15] वैदिक द्रष्टीकोश

तमे जेमने माथु नमावो छो
भगवान राम, भगवान कृष्ण,
भगवान बुद्ध, भगवान महावीर
भुदाताला अछाह के गोड र्शु
अेमनी सामे ठीला रही
तमे अेमने पूछो,
शुं तमारे आवुं ज्ञेवुं / सांभनवुं ज्ञेवुं ?
अे तमने अंटरथी जवान आपसे.

PLZ Open Your Mind
Listen Him Carefully
&
Follow him very Strongly

Do You Know ?
दुनियांना अेक पशु धर्मना भगवान

વલ્ગર મીડિયાનો સંપર્ક કરવાની
પરમિશન આપતા નથી.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયામાં જે આવે છે
એનો દરેક ધર્મ દ્વારા
સખત વિરોધ થયેલો છે.

Do You Know ?

તમે 1 સેકેન્ડ પણ
વલ્ગર મીડિયાના Contact માં આવો
એટલે તમારા ભગવાન
તમારાથી નારાજ થાય છે.

Do You Know ?

તમે વલ્ગર મીડિયાથી
Totally Dis - Connected રહો
એટલે તમારા ભગવાનના
તમને અનરાધાર આશીર્વાદ મળે છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા
એ દુનિયાના બધા જ ધર્મોએ બતાવેલા
આદર્શોની કૂર મસ્કરી છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા
એ દુનિયાના બધા જ ધર્મોના
મૂળભૂત ગ્રંથોની પ્રતિ બાળવાનું કામ

Indirectly કરી રહ્યું છે.

કારણ કે એ ગ્રંથોના ઉપદેશથી
તદ્દન ઉલ્ટી દોરવણી કરી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલગ મીડિયા

એ દુનિયાના બધા જ ધર્મગુરુઓનું

Clean Insult કરી રહ્યું છે.

કારણ કે એ Indirectly કહી રહ્યું છે

કે સભ્યતા, સંસ્કારિતા અને સદાચારના

એમના બધા જ ઉપદેશો હંબક છે.

Do You Know ?

વલગ મીડિયા

દુનિયાના તમામ ધર્મના ભગવાનો

પર Indirectly કીચડ ઉડાવી રહ્યું છે

કારણ કે

એમના ચરિત્રોથી Exactly Opposite કરવું

એ જ Smartness છે

એવું એ Prove કરવાની મથામણ કરી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલગ મીડિયા

એ રામાયણની પોથીનું ભયંકર અપમાન છે

કારણ કે ભગવાન શ્રી રામનો શુદ્ધ મર્યાદાનો માર્ગ

અને ભગવતી સીતાજીનો શુદ્ધ શીલનો માર્ગ

આ બંને માર્ગ પર

એ બુલડોઝર ફેરવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ ભગવાન લક્ષ્મણજીનું

સરેઆમ અપમાન છે

કારણ કે એમનો કુળ્ડલે નાભિજાનામિ નો આદર્શ

એમાં ચૂર ચૂર થઈ જાય છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ આધુનિક રાવણ છે.

જે શીખવી રહ્યું છે

કે કોઈની પત્ની પર જો તમે નજર બગાડો છો,

તો તમે કશું જ Wrong કરતા નથી,

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ ભગવતી શ્રીસીતાજીની

Indirect મરુકરી કરી રહ્યું છે

કે તમે રાવણનો Propose સ્વીકારી કેમ ન લીધો ?

Because

વલ્ગર મીડિયા Society ને આવો જ મેસેજ આપી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

પવિત્ર ગ્રંથ વાલ્મીકિ - રામાયણના

ઘજાગરા કરી રહ્યું છે

કારણ કે એ એવો સંદેશ આપી રહ્યું છે

કે આવું બધું તો ચાલે,

એમાં કાંઈ યુદ્ધ ન છેડવાનું હોય.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

ભગવાન શ્રી હનુમાનજીનું

ઘરાર અપમાન કરી રહ્યું છે.

કારણ કે એ એવું શીખવી રહ્યું છે

જેમાં શીલરક્ષા અને નારીસમ્માનના

કોઈ જ પ્રયાસ કરવાની જરૂર નથી.

આ બધું તો તોડવાની વસ્તુ છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ મહામહિમ શ્રી વાલ્મિકી ઋષિની મશ્કરી છે,

કારણ કે એ Indirectly એવું કહી રહ્યું છે.

કે તમે બધું ખોટું લખ્યું.

સાચું તો હું લખી રહ્યું છું.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ આધુનિક દુઃશાસન છે

જે ભારતીય મા - બહેન - દીકરીને

લજ્જિત - અપમાનિત કરી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ આધુનિક દુર્યોધન છે.

જે નારીની ગંદી મશ્કરી કરી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ આધુનિક શિશુપાલ છે.

જે ભગવાનના એક પણ ઉપદેશને

Follow કરતું નથી.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ ભગવાન શ્રીકૃષ્ણનું ભયંકર અપમાન છે

કારણ કે ભગવાન શ્રીકૃષ્ણે લાજ ઢાંકી હતી,

આ મીડિયા લાજ લૂંટવાનું શીખવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ ભગવાન શ્રીકૃષ્ણનું ભયંકર અપમાન છે

કારણ કે દ્રૌપદીની શીલરક્ષાની

એમની પવિત્ર ભાવનાના

એ લીરેલીરા ઉડાવી રહ્યું છે.

કારણ કે એનો Message

Absolutely Opposite છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રી ભગવદ્ ગીતાનું

ભયંકર અપમાન છે

કારણ કે ન શાન્તિમાપ્નોતિ કામ - કામી

આ ગીતાજીના સંદેશને

એ બૂમો પાડીને જુઠલાવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રીભગવદગીતાનું

Dirty Insult છે

કારણ કે સ્થિતપ્રજ્ઞ સ ઉચ્યતે - ના આદર્શથી

ગીતાજીએ ઊભા કરેલા ભવ્ય આદર્શને

એ હથોડા મારી મારીને જમીનદોસ્ત કરી રહ્યો છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રીભગવદ્ ગીતા પર

ધૂળ ઉડાવવાની ચેષ્ટા છે

કારણ કે વીતરાગભયક્રોધ ના

ગીતાજીના ઉપદેશને

એ હાર્યારૂપદ બનાવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રીભગવદ્ ગીતાનો

તદન વિરોધ પક્ષ છે

કારણ કે અભ્યાસેન તુ કૌન્તેય ! વૈરાગ્યેણ ચ ગૃહ્ણતે ।

આ ગીતાજીના અભ્યાસ કરતા

Totaly Opposite Study એ કરાવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રીભગવદ્ ગીતાનો

ભયંકર વિરોધ છે

કારણ કે - તસ્માદ્ યોગી ભવાર્જુન ! -

આ ગીતાજીના સંદેશની તદ્દન વિરોધ

એ ભોગી બનવાનું શીખવાડે છે.

એટલું જ નહીં

ભોગ ખાતર બધી જ માનવીય મર્યાદાઓનો ભુક્કો કરીને

જાનવર બનવા સુધી ઉશ્કેરે છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા

એ પવિત્ર ગ્રંથ શ્રીભગવદ્ ગીતાનો Oppose છે

કારણ કે કામ એષ ક્રોધ: એષ -

આ ગીતાજીના સંદેશની એ ઘષ્ટિયા ઉડાવી રહ્યું છે.

Do You Know ?

વલ્ગર મીડિયા એ પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથોનું અપમાન છે

કારણ કે

પતિવ્રતાયાશ્વરણો યત્ર યત્ર સ્પૃશેદ્ ભુવિ -

આવા પુરાણોના સતીત્વના સંદેશની

એ Indirectly ફૂર મશ્કરી કરી રહ્યું છે.

અને દુરાચાર એ જ ધર્મ છે

આવું પ્રસ્થાપિત કરવા મથી રહ્યું છે.

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથોના ઉપદેશ -

શીલભદ્ગેન દુર્વૃત્તા પાતયન્તિ કુલત્રયમ્ નો

વલ્ગર મીડિયા દ્વારા છડે ચોક

Indirectly ઉપહાસ કરાઈ રહ્યો છે

ને 100 કરોડ હિન્દુઓ ચૂપ છે

Why ?

इयतैव स्त्रियो धन्याः शीलस्य परिरक्षणात् -

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથોની

આ નારી સમ્માનની સંવેદનાના
વલગર મીડિયા કુરચે કુરચા ઉડાવી રહ્યું છે.
ને 100 કરોડ હિંદુઓ મૌન છે
Why ?

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથોના - શૌચમિન્દ્રિયનિગ્રહઃ ના
પવિત્ર આદર્શ પર
વલગર મીડિયા બેહામ બનીને
Indirectly કીચડ ઉછાળી રહ્યું છે
અને 100 કરોડ હિંદુઓ ક્ષત જોયા કરે છે
Why ?

પવિત્ર પુરાણગ્રંથો કહે છે - સ્ત્રીનામ્નિ લક્ષ્મી
વિશ્વની સમસ્ત નારીઓ લક્ષ્મીમાતાનું સ્વરૂપ છે
એ નારીને વલગર મીડિયા
હલકામાં હલકી રીતે પ્રસ્તુત કરીને
લક્ષ્મીમાતાનું ઘોર અપમાન કરી રહ્યું છે,
ને 100 કરોડ હિંદુઓ ચૂપ છે
Why ?

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથો કહે છે - પુનામ્નિ ભગવાન્ હરિઃ
પ્રત્યેક પુરુષની અંદર વિષ્ણુ ભગવાન બિરાજે છે.
એ પુરુષને તદ્દન ચોર - લબાડ - ગુંડા અને દુરાચારી
બનાવનું Education વલગર મીડિયા આપી રહ્યું છે
ને 100 કરોડ હિંદુઓ ચૂપ છે
Why ?

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથો કહે છે - નાનયોર્વિદ્યતે પરમ્
દુનિયામાં જેટલા પણ જીવો છે

તે બેનું જ સ્વરૂપ છે - ભગવાન હરિ ને ભગવતી લક્ષ્મી
એ બંનેને વલ્ગાર મીડિયા
ભયાનક રીતે અભડાવી રહ્યું છે
ને 100 કરોડ હિંદુઓ ચૂપ છે
Why ?

પવિત્ર પુરાણ ગ્રંથો કહે છે - વસુધૈવ કુટુમ્બકમ્ ।
પૃથ્વી એ જ આપણો પરિવાર છે.
એ પરિવારને ગાળો, વ્યભિચાર, લબાડી વગેરે શીખવનાર
વિદેશી કંપનીઓ આ દેશના
હકત અબજો રૂપિયા જ નથી લૂંટી રહી
ભગવાન શ્રીરામ અને ભગવતી શ્રીસીતાજીના
સંસ્કારોનો વારસો પણ લૂંટી રહી છે
વલ્ગાર મીડિયા
એ ભીતરી રામમંદિરનો ધ્વંસ છે
શું 100 કરોડ હિંદુઓ એને નહીં અટકાવે ?

રામમંદિરનો શિલાન્યાસ
ભીતરી રામમંદિરના શિલાન્યાસ માટે છે
જેનું નામ છે મર્યાદા, શીલ અને સદાચાર
વલ્ગાર મીડિયા એના પર
ભયંકર પથ્થરમારો કરી રહ્યું છે
શું 100 કરોડ હિંદુઓ એને નહીં અટકાવે ?

રામમંદિરનું બાહરી સ્વરૂપ છે માર્ગલ
ભીતરી સ્વરૂપ છે મર્યાદા, શીલ અને સદાચાર
વલ્ગાર મીડિયા એની બેહામ હત્યા કરી રહ્યું છે.
જો 100 કરોડ હિંદુઓએ એની સામે
અવાજ ન ઉઠાવ્યો

તો આપણી પાસે ફક્ત BOX બચ્યું હશે,
જવેલરી લૂંટાઈ ગઈ હશે.

માર્બલનું સ્ક્રકચર એ રામમંદિરનું Body છે
શીલ, સદાચાર અને મર્યાદા
એ રામમંદિરનો Soul છે.

જો 100 કરોડ હિંદુઓએ વલ્ગર મીડિયાની સામે
આંખો લાલ ન કરી
તો એ આ Soul ને ખલાસ કરી દેશે.

જરા કાન દઈને સાંભળો
" ભગવાન શ્રીરામ આપણને સ્પષ્ટ કરી રહ્યા છે
જો મારા બધા જ આદર્શોનો કચ્ચરઘાણ વાળતા
આ વલ્ગર મીડિયાને તમે ન હટાવો
તો પછી રામમંદિર બાંધવાનો કોઈ અર્થ જ નહીં રહે.

જરા કાન કઈને સાંભળો
ભગવાન શ્રીરામ આપણને અપીલ કરી રહ્યા છે.
મારું એક પત્નીત્વ, મારી મર્યાદાપુરુષોત્તમતા
અને મારો સદાચાર
એ મારો આદર્શદેહ છે
એના પર એક બાજુ
વલ્ગર મીડિયા જીવલેણ હુમલા કરતું હોય
અને બીજી બાજુ તમે મારું મંદિર બનાવતા હો.
તો શું આ મારી મશ્કરી નથી ?
મંદિર જરૂર બનાવજો.
પણ એના કરતાં હજારગણો પુરુષાર્થ
મારા આ આદર્શદેહને બચાવવા માટે કરજો.

PLZ/ Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને કહી રહ્યા છે.
રામમંદિરનું Heart છે સદાચાર
જેનામાં વલગર મીડિયા એટેક લાવી રહ્યું છે.

PLZ/ Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને કહી રહ્યા છે.
રામમંદિરનું Head છે મયાદી
જેનો વલગર મીડિયા છુંદો કરી રહ્યું છે.

PLZ/ Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને અપીલ કરે છે
રામમંદિરનો Soul છે શીલ
જેનું વલગર મીડિયા Murder કરી રહ્યું છે.

PLZ/ Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને અપીલ કરે છે
"નારી સમ્માન એ રામમંદિરની અસ્મિતા છે
જેને વલગર મીડિયા ભડકે જાળી રહ્યું છે. "

PLZ : Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને અપીલ કરે છે
"જે તમે વલગર મીડિયાને આવકારો છો
તો Actually તમે રાવણમંદિર બનાવી રહ્યા છો."

PLZ : Listen Carefully

ભગવાન શ્રીરામ આપણને કહી રહ્યા છે.
ભારતીય સંસ્કૃતિના એક એક સદગુણ
એ રામમંદિરની Actual ઈંટ છે.
વલગર મીડિયા એ એક એક ઈંટના

ભુક્કા બોલાવી રહ્યું છે.

PLZ : Listen Carefully

ભગવતી શ્રીસીતાજી આપણને કહી રહ્યા છે.

નારીમાત્ર મારું જ સ્વરૂપ છે

વલગર મીડિયા એને આટલી નીચ રૂપે દર્શાવે છે.

ને તમે કોઈ જ વિરોધ નહીં કરો ?

PLZ : Listen Carefully

ભગવતી શ્રીસીતાજી આપણને કહી રહ્યા છે -

વલગર મીડિયા જે સંદેશ ફેલાવી રહ્યું છે.

તેનો અર્થ તો એ થાય છે

કે મારા પતિએ દરિયાપાર આવીને યુદ્ધ કરીને

મારા શીલની રક્ષા કરી એ એમની ભૂલ હતી,

ને સવણ જ સાચો હતો.

શું તમે આ વલગર મીડિયાને

ઊભી પૂછડીએ ભગાડી નહીં દો ?

PLZ : Listen Carefully

સીતા માતા આપણને દર્દભરી વાણીમાં કહી રહ્યા છે.

મેં પતિના શુભસમાચાર ન આવે

ત્યાં સુધી ઉપવાસ કર્યા હતા.

મેં સવણની સામે સુદ્ધા જોયું ન હતું.

વલગર મીડિયા બેહામ રીતે બેવહાઈ શીખડાવી રહ્યું છે.

તમે એનો કોઈ જ વિરોધ નથી કરતા

That Means

એ સાચું છે ને હું ખોટી છું.

Are You Agree With This ?

ભગવતી શ્રી સીતાજી આપણને કહે છે.

વલ્ગર મીડિયાને જ્યારે તમે આવડારો છો.
ત્યારે તમે રાવણની પૂજા કરો છો
અને ભગવાન શ્રીરામ ઉપર
Indirectly હુમલો કરો છો.

જો વલ્ગર મીડિયા સારું છે.
તો રામાયણ ખોટું છે.
What do you believe ?

જો વલ્ગર મીડિયાને આ જ રીતે
બેરોકટોક ચાલવા દેવાનું હોય.
તો પછી આપણે ભગવાન શ્રીરામનું
નામ લેવા માટે પણ લાયક નહીં રહીએ.

જો વલ્ગર મીડિયા
આ જ રીતે ચાલતું રહ્યું
તો આપણે ફક્ત નામના રામભક્ત રહેશું.
હકીકતમાં રાવણભક્ત બની ગયા હોઈશું.

જો વલ્ગર મીડિયા સામે
આપણને કોઈ જ વાંધો નથી
તો Actually ભગવાન શ્રીરામ સાથે
આપણને પૂરો વાંધો છે.

જો વલ્ગર મીડિયાનો આપણે કોઈ જ
વિરોધ નથી કરવા માંગતા
તો આપણે Indirectly
રાવણના જ અનુયાયીઓ છીએ.

પવિત્ર પુરાણોમાં કહ્યું છે -

તસ્માદ્ધર્માન્વિતૈસ્ત્યાજ્યં પરદારોપસેવનમ્ ।

નયન્તિ પરદારાસ્તુ, નરકાનેકવિંશતિમ્ ॥

તેથી ધર્મીઓએ પરસ્ત્રીગમન છોડી દેવું જોઈએ

પરસ્ત્રીગમનથી

એકવીસ વાર નરકમાં જવું પડે છે.

વલ્ગર મીડિયા આ આદર્શોને

રીતસર સળગાવી રહ્યું છે.

શું આ પવિત્ર પુરાણોની પ્રતિઓ બાળવા જેવી જ

ઘટના નથી ?

શું 100 કરોડ હિંદુઓ આની સામે ચૂપ રહેશે ?

મહાભારત કહે છે -

બ્રહ્મચર્યેણ શુદ્ધસ્ય, સર્વભૂતહિતસ્ય ચ ।

પદે પદે યજ્ઞફલં, પ્રસ્થિતસ્ય યુધિષ્ઠિર ॥

"હે યુધિષ્ઠિર !

જે બ્રહ્મચર્યથી શુદ્ધ છે

અને સર્વ જીવોનું હિત કરે છે

તેને પગલે પગલે

યજ્ઞનું ફળ મળે છે."

મહાભારતના આ પવિત્ર આદર્શોને

વલ્ગર મીડિયા પગ તળે કચડી રહ્યું છે.

Think Well,

શું આ મહાભારતને લાત મારી ન કહેવાય ?

શું 100 કરોડ હિંદુઓ

આની સામે કોઈ જ અવાજ નહીં ઉઠાવે ?

વર્ધત્યધર્મેણ નરસ્તતો ભદ્રાણિ પશ્યતિ ।

તતઃ સપત્નાન્ જયતિ સમૂલસ્તુ વિનશ્યતિ ॥ મહાભારત વન પર્વ ૧૪-૪ ॥

आदमी गलत रास्ते पर जाता है
तब शायद पहले तो सुख भी पायेगा
दुश्मनों को भी जीतेगा पर आखिर मे वह अपनी सारी दौलत
और परिवार के साथ
अरे, अपने शरीर के साथ
नष्ट हो जायेगा ।

गंदा मीडिया पूरे देश का सत्यानाश है ।

धर्मादपेतं यत् कर्म यद्यपि स्यान्महाफलम् ।
न तत् सेवेत मेधावी न तद्धितमिहोच्यते ॥ महाभारत शान्ति पर्व २९३-८ ॥
जो गलत काम है
उससे कितना भी फल
क्यों न मिलता हो
यदि आप में थोड़ी भी बुद्धि है
तो आप ऐसा न करे
उससे आपका अहित ही होगा ।

गंदा मीडिया आपकी बरबादी के लिए ही आया है ।

[16] શીખ – બૌદ્ધ દ્રષ્ટીકોણ

જો વલ્ગર મીડિયા આપણને
બરાબર લાગે છે
તો રામાયણ હરીથી લખવી પડશે
ને એમાં રાવણને Hero બનાવવો પડશે.

જો વલ્ગર મીડિયા સારું છે
તો એનો સીધો અર્થ એ છે
કે ભગવાન શ્રી રામ ખોટા છે.
Are You Agree With This ?

જે Wrong છે
એની સામે તમે ચૂપ છો,
That Means
તમે Wrong ને Right Prove કરી રહ્યા છો.
અને Right ને Wrong Prove કરી રહ્યા છો.

ગુરુ નાનક "ગ્રંથ સાહિબમાં" કહે છે -
જારી ચોરી નાહી કરણી
વલ્ગર મીડિયા બિલકુલ ઊંઘું શીખવાડે છે.
આ બધું ખાસ કરવું.
છાતી પર હાથ રાખીને મને જવાબ આપો
શું આ પવિત્ર "ગ્રંથ સાહિબ" નું ઘોર અપમાન નથી ?

બુદ્ધ ભગવાન ધમ્મપદ ગ્રંથમાં કહે છે -
વોચ્છિંદ સિણેહમપ્પનો
ને વલ્ગર મીડિયા ભયંકર રીતે
માનવની વાસનાને ભડકાવી રહ્યું છે.

ને બુદ્ધ ભગવાનના આદર્શોના કુરચે કુરચા ઉડાવી રહ્યું છે.
શું કરોડો બૌદ્ધો એની સામે કોઈ જ અવાજ નહીં ઉઠાવે ?

બુદ્ધ ભગવાનના પંચ - સીલ ના
સિદ્ધાન્તના કુરચે કુરચા ઉડાવીને
બિન્ધારત દુરાચારના પાઠો ભણાવતાં
વલ્ગર મીડિયા સામે કરોડો બૌદ્ધો ચૂપ કેમ છે ?

બુદ્ધ ભગવાન
આખી જિંદગી જેની માટે મહેનત કરતા રહ્યા
એ પક્ષા - પ્રજ્ઞા - બુદ્ધિને
તદન ભ્રષ્ટ કરી દેવાનું કામ
વલ્ગર મીડિયા કરી રહ્યું છે
શું કરોડો બૌદ્ધો એની સામે લાલ આંખ નહીં કરે ?

ભગવાન બુદ્ધ ધમ્મપદમાં કહે છે
યો ચ વસ્સસતં જીવે
દુઃશીલ માણસ સો વર્ષ જીવે
એના કરતા સુશીલ માણસ
એક દિવસ જીવે એ વધારે સારું છે.
ગંદુ - ગલીચ મીડિયા
શીલનું સત્યાનાશ વાળી રહ્યું છે.
શું કરોડો બૌદ્ધોએ
એની સામે અવાજ ન ઉઠાવવો જોઈએ
શું આ બુદ્ધ ભગવાનની અવહેલના નથી ?

[17] ખ્રિસ્તી દ્રષ્ટીકોણ

ભગવાન ઈશુ કહે છે -

"હૃદયમાંથી કુવિચારો, ખૂન, વ્યભિચાર,
લંપટતા, ચોરી, ખોટી સાક્ષી
અને નિંદા નીકળે છે.

માણસને અપવિત્ર કરનાર સૌંજ તે આ છે."

વલ્ગર મીડિયા

માણસના હૃદયમાં આ બધી જ ખરાબીઓ ભરી રહ્યું છે.

શું એ ભગવાન ઈશુને સહેજ પણ ગમશે ?

શું એ આપણે Accept કરવું જોઈએ ?

કે પછી એનો Strong Oppose કરવો જોઈએ ?

પવિત્ર શાસ્ત્ર બાઈબલ કહે છે -

The after effects of adultery are as
fatal as poison of as sharp as a
two edged sword

પરસ્ત્રીગમનનું પરિણામ ઝેર જેવું કડવું

અને બે બાજુ ધારવાળી તલવાર જેવું તીક્ષ્ણ છે. (5 - 4)

ગુંદું ગલીચ મીડિયા

આ જ પાપ કરવા માટે સૌને ઉશ્કેરી રહ્યું છે.

શું આ બાઈબલનું Insult નથી ?

પવિત્ર શાસ્ત્ર બાઈબલ કહે છે -

Adultery is as painfull as carring
burning coals on one's own lap or
treading on burning coals.

"પરસ્ત્રીગમન પોતાના ખોળામાં બળતાં અંગારા લેવા જેવું છે.

અને

અગ્નિ પર ચાલવા બરાબર છે." (6.27-28)

ગંદુ - ગલીચ મીડિયા

શું બાઈબલથી ઉલ્ટુ શિક્ષણ નથી આપતું ?

આપણે ક્રિશ્ચિયન્સ છીએ

તો શું આપણે આવા મીડિયાને

ખતમ ન કરી દેવું જોઈએ ?

પવિત્ર શાસ્ત્ર - બાઈબલ કહે છે -

A Man who keeps illicit relations with

a woman is indeed a fool, because

such action will certainly inflict

eternal doom & damnation on his soul

"પરસ્ત્રી સાથે વ્યભિચારી સંબંધ રાખનાર વ્યક્તિ

તદ્દન બુદ્ધિ વગરનો છે.

તે પોતાના આત્મા માટે વિનાશક કૃત્ય કરે છે." (6 - 32)

આપણે ચોખ્ખું જોઈ શકીએ છીએ.

કે વલ્ગર મીડિયા એ Indirectly

બાઈબલ પર જ Attack કરી રહ્યું છે.

શું આપણે એની સામે ન પડવું જોઈએ ?

સંત કબીર કહે છે -

पर - नारी झेरी छुरी, मत कोई लावो अंग

रावन के दश शिर गये, पर नारी के संग

तमे समञ्ज शको छो ?

વલ્ગર મીડિયા તમારા ગળા પર

ઝેરી છરી ફેરવી રહ્યું છે.

[18] ઇસ્લામ દ્રષ્ટીકોણ

પવિત્ર કુરઆન શરીફ સ્પષ્ટ કહે છે
કે જે ઝાંઝરનો અવાજ કરીને
પુસ્તકોનું ધ્યાન ખેંચવા પ્રયાસ કરે છે
તે નારી નાપાક છે.
વલ્ગર મીડિયા ક્લોડો મુસ્લિમ નારીઓને
ગુમરાહ કરી રહ્યું છે
શું આ પવિત્ર કુરઆનનું અપમાન નથી ?

એક બાજુ પવિત્ર કુરઆન શરીફ બુરખાની સલામત વ્યવસ્થા કરે છે,
ને બીજી બાજુ વલ્ગર મીડિયા
નાપાક પ્રદર્શન દ્વારા ભયંકર ઉશ્કેરણી કરી રહ્યું છે.
શું આ પવિત્ર કુરઆન શરીફનું અપમાન નથી ?

*

પવિત્ર કુરઆન શરીફમાં ઠેર ઠેર લખ્યું છે
'અદ્લાહ ભલાઈ ચાહે છે.'
વલ્ગર મીડિયા
બેહામ બુરાઈઓ ફેલાવી રહ્યું છે.
શું આ અદ્લાહનો વિરોધ નથી ?

અદ્લાહ ચાહે છે કે
કોઈ બેવહાઈ ન કરે,
નિકાહને વહાદારીથી નિભાવવામાં આવે
વલ્ગર મીડિયા
છડે ચોક બેવહાઈ કરવા માટે ઉશ્કેરી રહ્યું છે.
શું આ અદ્લાહનો વિરોધ નથી ?

ઓ મારા પાક ભાઈઓ !

જુઓ તો ખરા,
આ નાપાક મીડિયા
આપણા આખા પરિવાર પર
નાપાક બનવા માટે જબરદસ્તી કરી રહ્યું છે
શું આપણે આ બધું જોયા કરશું ?

આપણી નજર સામે પવિત્ર કુરઆન શરીફના
સદાચારની બધી જ આયાતોથી
તદ્દન વિરુદ્ધ પ્રચાર
આ નાપાક મીડિયા કરી રહ્યું છે
શું આપણે એની સામે જિહાદ કરવામાં
હજી મોડું કરશું ?

જે પવિત્ર કુરઆન શરીફ
અપશબ્દો બોલવાની સાવ ના પાડી છે
એની સામે નાપાક મીડિયા
ગંદી ગાળોનો જ સબક શીખવી રહ્યું છે.
એની સામે જિહાદ કરવામાં
આપણે હજી કેટલું મોડું કરશું ?

જે પવિત્ર કુરઆન શરીફ
અદ્વાહના પાક શબ્દો દ્વારા
આપણને ભલાઈ શીખવે છે.
એની વિરુદ્ધ નાપાક મીડિયા
આપણને બધી જ જાતની બુરાઈ શીખવી રહ્યું છે.
જો આપણે અદ્વાહના બંદા હોઈએ
તો આપણે આ નાપાક મીડિયાને
ઘડ્ડા મારીને કાઢી ન મુકવું જોઈએ ?

પવિત્ર કુરઆન - શરીફ કહે છે -

"વ્યભિચારથી દૂર રહો

ખરેખર તે માર્ગ ગંદો અને ખોટો છે."

વલ્ગાર મીડિયા

આનાથી તદ્દન ઊંધું શીખવી રહ્યું છે.

શું આ પવિત્ર કુરઆનનું Insult નથી ?

પવિત્ર - કુરઆન - શરીફ કહે છે -

"ઉઘાડા કે છૂપા

શારીરિક કે માનસિક વ્યભિચારથી દૂર રહો."

વલ્ગાર મીડિયા બધાને આની જ નજીક લઈ જઈ રહ્યું છે.

શું આ પવિત્ર કુરઆનનો વિરોધ નથી ?

પવિત્ર કુરઆન - શરીફ કહે છે -

"પોતાની પરિણીત સ્ત્રી સિવાય

કોઈ પણ સ્ત્રી સાથે સંબંધ વર્જ્ય છે

અને તે પાપ છે "

વલ્ગાર મીડિયા આ જ પાપ કરવા માટે

બેહામ ઉશ્કેરણી કરી રહ્યું છે

શું આ પવિત્ર કુરઆનનું અપમાન નથી ?

પવિત્ર કુરઆન - શરીફ કહે છે

"અઘાહની રહેમ યાચતા રહેવું,

જેથી મનુષ્ય શોતાનની જાળથી, અપવિત્ર વાતોથી

તથા વ્યભિચારથી બચતો રહે

અને જીવનને શુદ્ધ રાખી શકે"

વલ્ગાર મીડિયા આ બધી જ ખરાબી ફેલાવી રહ્યું છે

અને જિંદગીને બરબાદ કરી રહ્યું છે.

તો શું આ પવિત્ર કુરઆનની અવહેલના નથી ?

પવિત્ર કુરઆન - શરીફ કહે છે -

"જે પુરુષો તથા સ્ત્રીઓ કામવાસનાને કાબુમાં રાખે છે,
તે સૌને માટે ઈશ્વર ક્ષમા અને મહામૂલું પારિતોષિક
તૈયાર રાખે છે."

વલ્ગર મીડિયા પવિત્ર કુરઆનના ઉપદેશથી

તદ્દન વિરુદ્ધ

કામાવાસનાને ભડકાવવાનું કામ કરે છે

ને આપણે બધા ચૂપ રહીશું ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -

તમે તમારા તરફથી મને છ બાબતોની ખાતરી આપો અને હું તમને જક્ષતની ખાતરી
આપું છું.

- | | |
|---------------------------------|----------------------------|
| 1. જ્યારે બોલો ત્યારે સત્ય બોલો | 4. દુરાચારથી બચો |
| 2. વચન આપો તે પાળો | 5. નજર હંમેશા નીચી રાખો |
| 3. કોઈનો વિશ્વાસઘાત ન કરો | 6. કોઈના પર જબરજસ્તી ન કરો |

હવે બોલો,

શું આજનું આ વલ્ગર મીડિયા પયગંબર સાહેબને

જરા પણ ગમે એવું છે ?

તો શું આપણે એને ચાલવા

દેવું જોઈએ ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -

"જ્યારે કોઈ પુરુષ પરસ્ત્રી સાથે એકાંતમાં બેસે છે,
ત્યારે તે બેની વચ્ચે શેતાન આવીને બેસે છે."

હવે તમે જ કહો,

જો આજે પયગંબર સાહેબ હોત

તો આ વલ્ગર મીડિયાની સામે જિહાદ ન કરત ?

એમના બંધા તરીકે આપણે ન કરવી જોઈએ ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -
"કોઈ પણ નશાની ચીજનો ઉપયોગ કરવો,
એ સૌ પાપોનું પાપ છે."
વલ્ગર મીડિયા બેહામ રીતે
નશામાં ઢસડી રહ્યું છે
અરે, એ ખુદ પણ ખતરનાક નશો છે.
શું પયગંબર સાહેબના બંદા તરીકે
આપણે એને ઉખેડી ન દેવું જોઈએ ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબને કોઈએ પૂછ્યું,
"ઈસ્લામની સૌથી મોટી પિછાન કઈ છે ?"
એમણે જવાબ આપ્યો,
"ભુખ્યાને ભોજન આપવું અને
જાણીતા કે અજાણ્યા સૌને સલામ કરવી
એટલે કે તેમની સલામતી ઈચ્છવી - તેમનું ભલું કરવું."
આપણી નજર સામે દેખાય છે
કે વલ્ગર મીડિયાને હવાલે થઈને
આખી રાત ઉજાગરા કરતા
આપણા ભાઈ - બહેનોના રોજગારો તૂટી રહ્યા છે
ને આપણું આખું ય ભવિષ્ય અસલામત થઈ ગયું છે,
તો શું આપું ગંદું - ગલીચ - અશ્લીલ મીડિયા
એ "ઈસ્લામ"નું વિરોધી ન કહેવાય ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -
"તું જે કાંઈ તારા માટે સારું મનતો હોય,
તે જ સૌને માટે સારું માન"
ગંદું - ગાળો બોલતું અશ્લીલ મીડિયા
પોતાનું ખિસ્સું ભરવા માટે
આપણી આખી કોમમાં ખરાબી ફેલાવી રહ્યું છે.

શું પયગંબર સાહેબના બંદા થઈને
આપણે એને ઉખાડીને ફેંકી દેવું ન જોઈએ ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -

"સૌ પ્રાણીઓ અદાહનું કુટુંબ છે,
જે આ અદાહના કુટુંબનું ભલું કરે છે,
તે અદાહને સૌથી પ્રિય છે."

ગાળોવાળું - ગુંદું મીડિયા

અદાહના કુટુંબનું નખોદ વાળી રહ્યું છે.

અદાહને એ બિલકુલ પસંદ નથી,

તો શું આપણે એને એક દિવસ પણ ટકવા દેવું જોઈએ ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -

"જે માણસ શાંત સદાચારી
અને બીજાના સુખી સુખી રહે છે,
તે નરકમાં જતો નથી."

ગુંદું - ગાળોવાળું મીડિયા શાંત માણસને ય ઉશ્કેરી રહ્યું છે.

સદાચારીને ય દુરાચારી બનાવી રહ્યયું છે.

આપણી આખી કોમને દુઃખમાં ઢસડી રહ્યું છે.

શું પયગંબર સાહેબ હોત

તો એની સામે જિહાદ ન જગાવત ?

મહમ્મદ પયગંબર સાહેબ કહે છે -

"સત્ય અને ભલાઈમાં વિશ્વાસ રાખવો

અને ભલાં કામ કરવાં

એ જ સ્વર્ગની કૂંચી છે."

ગુંદું - ગલીચ મીડિયા તદ્દન ખોટું

અને ખરાબી ફેલાવનાર છે,

શું એને ઈસ્લામ વિરોધી ન કહેવાય ?

શું એને પયગંબર સાહેબનું અપમાન કરનાર ન કહેવાય ?

કુરઆન - શરીફ કહે છે -

"સત કાર્ય અને ઈશ - ભીરુત્વના કાર્યોમાં
પરસ્પર સહાય કરો."

ચાલો,

આપણે આ ગંદા - ગલીચ મીડિયાને

ઊભી પૂંછડીએ ભગાવી દઈએ.

અદાહ આપણા પર પ્રસન્ન થશે.

કુરઆન - શરીફ કહે છે

"અસત્ અને અત્યાચારના કામોમાં
કદી પણ સહાયક ન બનો."

ચાલો,

આપણે નક્કી કરીએ

કે આપણે ગંદા - ગલીચ મીડિયાના

કદી પણ પ્રેક્ષક નહીં બનીએ -

આપણા કારણે T.R.P. વધે

ને એમને Adds મળે.

એવું આપણે કદી નહીં કરીએ.

કુરઆન શરીફ કહે છે -

"અદાહ સત કાર્ય અને પાક કાર્ય કરવાવાળાને
ચાહે છે. "

ચાલો આપણે નક્કી કરીએ,

આવા ગંદા મીડિયાને આપણે બિલકુલ નહીં ચાલવા દઈએ,

ખરેખર,

એનાથી ખુદાતાલા આપણા પર પ્રસન્ન થશે.

जो कोई पाप करेगा और अपने
पाप कर्मों के चक्कर में घिरा रहेगा
वह दोजखी है
और वह हमेशा दोजख में ही रहेगा
दिव्य कुर्आन - पारा-१ सूर बकरह २
आयत - ८१

गंदा मीडिया शेतानने भेजा है जो हमे दोजख में भजना चाहता है ।

जो लोग अल्लाह के साथ किये हुए
करार और कसमों को थोड़ी किंमत में
बेच देते है उनके लिये आखिरत में
कोई हिस्सा नहीं है, अल्लाह कयामत के
दिन न उनके साथ बता करेग
उनके लिये तो सख्त सजा है ।

कुर्आन शरीफ - सूर आले इमरान-३ आयत-७७

गंदी मीडिया हमें इमान से दूर लाकर काफिर बना रहा है । फिर भी हम क्यों खामोश है ?

[19] ગાલીયોની સહાય

Let Bharat be Bharat
Come back to Human hood
Save your everything
પશ્ચુતા સ્વે વાપિસ્.... માનવતા ડી ઓર
PLZ : Join Mission સ્વચ્છ ભારત

આજે તમે મૌન રહ્યા
તો કાલે સગા દીકરાના મોઢે
ગંદામાં ગંદી ગાળ સાંભળવા
તૈયાર રહેજો.

ગાળ એ અપશબ્દ અને અપમંગળ છે
તમે એ સાંભળો એટલે
૧૦૦%
આર્થિક અને આરોગ્યનું નુકશાન થવાનું.

જે દિવસે તમે ગાળ સાંભળી
એ દિવસે તમારી સાથે કંઈ પણ
ભયંકર ઘટના ઘટી શકે છે.
એ જ દિવસે નહીં તો ભવિષ્યમાં વ્યાજ સાથે.

Are you ready for it ?

ગાળ
= ભારતીય સંસ્કૃતિની હત્યા

માણસ ૧૦ વાર ગાળ સાંભળે
પછી એના મનમાં ગાળ ચાલુ થાય છે

ને પછી વાણીમાં
ને પછી પરિવારનું સત્યાનાશ થાય છે.

ગાળ એ સરસ્વતી માતાનું અપમાન છે.
ગાળો સાંભળવાથી યાદશક્તિ ઓછી થઈ જાય છે
ને સ્કૂલ-કોલેજના લાખોના ખર્ચા
માથે પડે છે.

જ્યારે તમે એક ગાળ સાંભળો છો
ને રાજી થાઓ છો
ત્યારે તમે તમારી 'મા' ને નારાજ કરો છો.
શું ગાળ એ 'મા' કરતા પણ વધુ પ્રેસિયસ છે ?

તમે કયા ડાયલોગ પર ને ક્યાં સીન પર
તાળી વગાડો છો
એ તમારા લેવલનું પ્રુફ હોય છે.
હલકા ને ગંદા પર વગાડાતી તાળી
પ્રુવ કરે છે કે
આપણું લેવલ પણ હલકું ને ગંદું જ છે.

મારા ભાઈ,
તું રામ, કૃષ્ણ ને મહાવીરનો વારસદાર છે.
તું ચોર-લબાડ ને ગુંડાઓનો વારસદાર
બનવા શા માટે જાય છે ?

આજે જો તે આ ગાળો સામે અવાજ ન ઉઠાવ્યો
તો તારી સગી દીકરી
જિંદગીમાં min. હજારો વાર આ જ ગાળો ખાસો
Are you agree with it ?

તું લખાડ છે કે સજ્જન છે
આટલો વિચાર કરી લે ?
તું શું ડાઉનલોડ કરે છે,
એનાથી પ્રુવ થાય છે
કે તું કોણ છે ?

છાતી પર હાથ મુકીને મને કહે
તું જે જોઈ-સાંભળી રહ્યો છે.
એ તારા મમ્મી-પપ્પાને ખબર પડે,
તો એમને ગમશે ?
શું એમના ઉપકારો કરતા
આ ગંદકીની value વધારે છે ?
તારું ઈનર કોન્સિયસ
તને જે જોવા-સાંભળવાની
સાહ ના પાડે છે.
એની પાછળ પડીને
તું તારી જ સાથે
Mis-Behave કેમ કરે છે ?

મારા ભાઈ
તું એક પવિત્ર માતાનું
પવિત્ર સંતાન છે.
વિદેશી કંપનીઓ અજાણે રૂપિયા જ
નહીં લૂંટી જાય
અજાણે રૂપિયાથી ચ more precious
એવી તારી પવિત્રતા પણ લૂંટી જશે.
Plz : leave it.

You are gentle
You should listen
Only gentle words

સારું સાંભળીશ
તો તારું સારું થશે.

ગાળો સાંભળીશ
તો પછી

નસીબને ગાળો આપવાનો
કોઈ જ અર્થ નહીં રહે.

જેણે પોતાનું નખખોદ વાળવું હોય,
સત્યાનાશ વાળવું હોય
ભયંકર અપમંગલ કરવું હોય
ને દાટ વાળી દેવો હોય
એમના માટે short-cut છે
ગાળો-વાળા પ્રોગ્રામ જોવા.

જે મીડિયા તમને ગાળો મોકલે છે
તે actually તમને
તમારી સુખ-શાંતિનું મોત મોકલે છે.

જે ઘરમાં 'ગાળ'ના ભાષા પરમાણુઓ
પ્રસરે છે
તે ઘરમાં life-time
કંકાસ-કજીયા-ઝઘડા ચાલતા રહે છે.

જે ઘરનો એક પણ સભ્ય
ગાળો-વાળા પ્રોગ્રામ્સમાં રસ લે છે
તે સળગતું લાકડું બનીને

આખા ઘરને ભડકે બાળે છે.

જે વસ્તુ તમે તમારા સંતાન માટે
કે ભાવિ સંતાન માટે નથી ઈચ્છતા
એ વસ્તુને તમારે વળગવું જોઈએ ?
કે વેરવિખેર કરી દેવી જોઈએ ?

Plz. Think well,

You are a smart person.

ઉછળી પડો, તૂટી પડો,

આંખો લાલ કરો, ખતમ કરી દો એ મીડિયાને

જે તમારી આંખોના તારાને

ગંદામાં ગંદી ગાળો શીખવી રહ્યો છે

ને in very short period

એ ગાળો સંભળાવીને

તમારી આંખોનો તારો

તમારી આંખમાંથી લોહીના આંસુ પડાવવાનો છે.

This is not entertainment

This is your encounter.

જો તમે really પાગલ થઈ ગયા હો

તો આ બધું બેઘડક ચાલવા દેજો.

Ask yourself

શું આ શબ્દો

તમારા સંસ્કારને, સમાજને

અને પરિવારને શોભે એવા છે ?

શું તમારું કોઈ જ સ્ટેટસ નથી ?

જીભમાં કીડા પડે

જીભ સડે

ને જીભનું કેન્સર થાય

એ માટે ગાળો શીખવી

જરૂરી હોય છે.

Plz. તમે આટલું કરી લો,

તમારી બધી જ ઈચ્છા પૂરી થશે.

જે શબ્દો તમારા કુળના

૭૭ પેઢીમાં બોલાયા નથી,

તે શબ્દો શીખવાથી

કુળદેવી કોપાયમાન થાય છે.

તે શબ્દોની સામે પડવાથી

કુળદેવી પ્રસન્ન થાય છે.

તમે જે માતાજીનો કોટો રાખ્યો છે

એ માતાજી ઠરગીઝ નથી ઈચ્છતા

કે તમે આવું જુઓ-સાંભળો.

માતાજી કહે છે -

આ મારું જ અપમાન છે.

चंदन है इस देश की धरती

तपोभूमि हर गाँव है ।

हर बाला देवी की प्रतिमा

बच्चा बच्चा राम है ।

आओ बच्चों तुम्हें दिखाये

धरती हिन्दुस्तान की

इस मिट्टी से तिलक करो

यह धरती है बलिदान की ।

I ask you

क्याँ हमारे शहीदों ने इसी लिये
बलिदान दिया था
कि आज़ाद भारत भी
विदेशी कंपनीओं का
गुलाम बन कर
मीडिया की इतनी बदार गंदगी का
शिकार बने ?

भारत में मीडिया की गंदगी
बेरोकटोक आने देना
यह शहीदों का अपमान है ।
उनका बलिदान
महान भारत के लिये था ।

જ્યારે તમે ૧૦ થી વધુ ગાળો
સાંભળી લો છો.
ત્યારે તમારા મનમાં ગાળો ચાલુ થઈ જાય છે
જ્યારે તમે ૧૦૦ થી વધુ ગાળો
સાંભળી લો છો
ત્યારે તમે ગુસ્સો આવે ત્યારે
એ ગાળો જોલવા લાગો છો
જ્યારે તમે ૧૦૦૦ થી વધુ ગાળો સાંભળી લો છો
ત્યારે તમે વાત વાતમાં ગાળો જોલવા લાગો છો.

જ્યારે તમે ૧૦૦૦૦ થી વધુ ગાળો
સાંભળી લો છો.
ત્યારે તમે પરિવારના સભ્યો

અને મા-બાપ સુદ્ધાને ગાળો ભાંડવા લાગો છો.
ત્યારે તમારા જીવનભરનું સુખ
બળીને ખાખ થઈ જાય છે.
Plz. Tell me. Is this an entertainment?

તમારી સૌથી મોટી wealth છે
તમારું મગજ.
જે ગાળો સાંભળી સાંભળીને
સડી જાય છે
Is this an entertainment?

તમારી અંદર એક સ્વચ્છ
ચારિત્રશીલ પવિત્ર આત્મા છે
જેને ગાળો ગંદો-ગોબરો બનાવે છે.
Is this an entertainment?

તમારી અંદરની ગંદકી
Short timeમાં બહાર આવશે
ત્યારે તમારા એક પણ family member ને
તમારા માટે Respect નહીં રહે,
તમારો સગો દીકરો તમને હસધૂત કરશે.
Plz. think well.
Is this an entertainment ?

તમારું આખું ઘર લૂંટાઈ જાય
એના કરતા પણ વધારે ખતરનાક ઘટના એ છે
કે તમારા મનની પવિત્રતા લૂંટાઈ જાય.
Plz. tell me.
Is it a theft ? or an entertainment ?

તમે મરી જાઓ

એના કરતાં પણ ઘટના એ છે

કે તમારી પવિત્રતા મરી જાય

Plz. tell me, what's this ?

Entertainment or Murder ?

If wealth is lost, nothing is lost,

If health is lost, something is lost.

If character is lost, everything is lost,

Believe me.

You are lost.

સ્વચ્છતા અને પવિત્રતામાં

જે મજા છે

એ મજા આ ગંદકીમાં

Possible જ નથી.

સાચું કહું ?

તમે stupid બની રહ્યા છો.

Just imagine

તમારા ઘરે Guest આવે છે

એ door-bell વગાડે

એની પહેલા જ એમને તમારી અંદર-અંદરની

ગંદી ગાળો સંભળાય છે.

Are you ready for it ?

Just imagine

તમારો સગો દીકરો તમારી સામે જ

એના પપ્પાને

ગંદી ગાળો સંભળાવી રહ્યો છે.

Are you ready for it ?

Just imagine

તમારો દીકરો એની સગી બહેનને

એવી ગાળો સંભળાવે છે

કે એ આઘાતથી

એનો રૂઝામું બંધ કરીને પંખે લટકી જાય છે.

Are you ready for it ?

Just imagine

તમારી દીકરી 'કોઈ'ની સાથે

હોન પર વાત કરી રહી છે.

જેમાં વાતના words કરતાં પણ

ગંદી ગાળના words વધારે છે.

Are you ready for it ?

Just imagine

તમારા પતિ તમારા દીકરાના મોઢે

ગંદી ગાળ ખાઈને

આઘાતથી

આખી બેગોન-રૂપે બોટલ પી જાય છે.

Are you ready for it ?

Just imagine

તમારા દીકરાની સગાઈ

એની ગંદી ગાળો બોલવાની આદતથી

તૂટી જાય છે...

નવા જે સંબંધો બાંધવા જાઓ
ત્યાંથી clean No આવે છે.
Are you ready for it ?

Just imagine
તમારો દીકરો એની વાઈફની સામે જ
તમને ગંદી ગાળો સાંભળાવીને
રીતસર લાત મારે છે.
Are you ready for it ?

Just imagine
તમે છૂપી રીતે તમારા દીકરાની
ફોન પરની વાતો સાંભળી રહ્યા છો
દર ૧૫ સેકન્ડે એના મોઢામાંથી
Min. એક ગંદી ગાળ નીકળે છે.
Are you ready for it ?

Just imagine
તમારા જમાઈની ગંદી ગાળો સાંભળીને
તમારી દીકરી ઘરે પાછી આવી છે.
લગ્નનો રૂપ લાખનો ખર્ચો માથે પડ્યો છે,
Are you ready for it ?

Just imagine
તમારી દીકરી ગંદી ગાળો બોલવાની ટેવ
ન છોડી શકવાને કારણે
ત્રીજી વાર ઘરે પાછી આવી છે
એની ઉંમર ને તમારું ટેન્શન
Fast Speedથી વધી રહ્યું છે

ને ગાળાગાળી એ જ તમારા ઘરની
માતૃભાષા બની ગઈ છે.
Are you ready for it ?

Just imagine
તમારો દીકરો સારી પોસ્ટની તક
ગંદી ગાળો બોલવાની ટેવથી
જોઈ ચૂક્યો છે
ને હવે ઘરે બેઠો આખી દુનિયાને
ગંદી ગાળો ભાંડ્યા કરે છે.
Are you ready for it ?

*

[20] ગંદકી સહાઈ

I promise you

આજે જો મીડિયાની ગંદકી સામે
તમે કાંઈ જ અવાજ ન ઉઠાવ્યો,
તમે જો નમાલા બનીને જોતા રહ્યા,
તો short timeમાં
તમારું ઘર ઉકરડો બની જવાનો છે.

I promise you

વલ્ગર તમારી લાઈફને
જંગલ બનાવી દેશે.

I promise you

મીડિયાની ગંદકી
તમારી લાઈફમાં બધી જ જાતના વાયરસ લાવશે
ને તમારું સત્યાનાશ વાળી નાંખશે.

I promise you

એ entertainment નથી
તમને hellમાં enter કરવા માટેની
arrangement છે.

I promise you

તમે ગંદકીમાં ગયા
એટલે
ગયા.

I promise you

સ્વચ્છતામાં જ સ્વચ્ચતા છે.
ગંદકીમાં બધી જ રીતે બરબાદી છે.

તમે કેવા છો
એનો આધાર એના પર છે
કે તમે શેનાથી મનોરંજન મેળવો છો ?
ભૂંડ તો
વિષ્ટાથી જ મનોરંજન મેળવે છે.

ભૂંડ અને હંસ
બંશે ખુશ હોય છે.
એક વિષ્ટાથી
બીજે મોતીથી
Who are you?

Main question એ નથી
કે તમે ખુશ છો કે નહીં ?
Main question એ છે
કે તમે શેનાથી ખુશ છો ?

જેની ખુશીનો આધાર
ગંદો અને વલ્ગાર છે
એ માણસના સ્વરૂપે ય
ભૂંડ જ છે.

એક કદમ
ભૂંડત્વથી માનવતા તરફ.
આપણે એક એવું SMILE જોઈએ છે
જે સાત્વિક હોય,

વલગર બેઝ પર મેળવેલું Smile
At last તો
Tears માં જ Convert થાય છે.

વલગર મીડિયા એટલે
આજનું સ્મિત
કાલના આંસુ,

વલગર મીડિયાના ટચમાં આવવું
એ Actually આપઘાત જ છે,
તમારું ઘર - જીવન - સુખ - શાંતિ - સંપત્તિ -
બધું જ જેનાથી ભડકે બળવાનું છે.
એ જો મનોરંજન છે
તો પછી તમે આપઘાત કોને કહેશો ?

માનવતાનો અર્થ છે સંયમિત વૃત્તિ.
પશુતા અને માનવતામાં આ જ મેઈન ડિફરન્સ છે.
તમે હમણા વિશ્વાસ નહીં કરો
તો પછી કરશો,
પણ ત્યારે મીડિયા તમારી માનવતાને લૂંટી ચૂક્યું હશે,
ત્યારે તમે પશુ બની ચૂક્યા હશે.

જે મીડિયા તમને "કૂતરો" બનાવવાનું
Education આપી રહ્યું છે.

1. ગમે તે જોલી - ભસી શકાય.
2. ગમે તેની સાથે ગમે તે કરી શકાય.
3. લગ્ન સંબંધ - વહાણની કોઈ જરૂર નહીં.
4. પવિત્રતા શબ્દ શબ્દકોષમાં જ ન હોય.
5. કપડા પહેરવા જરૂરી ન હોય.

6. પરિવાર જેવી કોઈ વસ્તુ ન હોય.
તમારે એ મીડિયાના સ્ટુડન્ટ
શા માટે બનવું જોઈએ ?

જે મીડિયાના આર્ટિસ્ટ કરતા
ગદોડો વધુ સારો છે
જે રોડના થોડા લોકોને જ
પોતાની વિચિત્ર સ્થિતિ બતાવે છે,
એ મીડિયાના
તમે શા માટે ઓડિયન્સ બનો છો ?

માનવ સમાજ - સંસ્કાર - સભ્યતા
જુદી વસ્તુ છે
અને વલગર મીડિયા તદ્દન જુદી વસ્તુ છે.
PLZ. Come back
તમે આ રસ્તે વધુ ચાલ્યા.
તો તમે 100% જાનવર બની જશો.

યા માનવતા યા વલગર મીડિયા
Human being Or an animal being
તમારે જે થવું હોય. પસંદ તમારી
વિદેશી કંપનીઓ અબજો રૂપિયા કમાઈ શકે
એ માટે તમારે
તમારી માનવતા લૂંટાવી દઈને
પશુ બની જવાની શું જરૂર છે ?

Believe Me
વલગર મીડિયા તમારા આખા Family નું
Inner Murder કરી રહ્યું છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમારા ઘરમાં ઘુસી ગયેલ
ખતરનાક ગુંડો છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમારા Study પર
કાંડી લગાવી રહ્યું છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમારા કેરિયરને
હાંસીએ લટકાવી રહ્યું છે.

Believe Me

વલગર મીડિયા તમારી Income ના
ભાગાકાર કરી રહ્યું છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમને પરિવારમાંથી ઉપાડીને
કચરાપેટીમાં ફાગાવી રહ્યું છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમારા મગજને
Fast Speed થી રડાવી રહ્યું છે.

Believe me

વલગર મીડિયા તમારા શરીરમાં
ચિત્ર - વિચિત્ર રોગો લાવી રહ્યું છે.

Believe me

તમાકું - દારૂ - ડ્રગ્સ વગેરે પહેલા જેમ આદી બનાવે
ને પછી ખલાસ કરી નાંખે
બરાબર એ જ રીતે
વલાર મીડિયા તમને આદી બનાવીને ખલાસ
કરવા જઈ રહ્યું છે.

Believe me

વલાર મિડિયા Entertainment ના નામે
તમને Stupid બનાવી રહ્યું છે.

Believe Me

વલાર મિડિયા તમને એવા કીચડમાં
ડૂબાડી રહ્યું છે
જેમાં તમે ગૂંગળાઈને મરી જવાના છો.

Believe me

વલાર મિડિયા તમારા આખા ધંધાને
ચોપટ કરી દેશે.

Believe me

વલાર મિડિયા તમારી વિચારશક્તિને
અપંગ બનાવી રહ્યું છે.

Believe me

વલાર મિડિયા તમને Short Time માં
Mental - disorder ના stage પર
મુકી દેશે.

Believe me

વલ્ગર મીડિયા તમને Short Time માં
એ stage પર મુકી દેશે.
જેમાં તમે કોઈના કામના તો નહીં જ રહો
તમારા કામના પણ નહીં રહો.

Believe me

વલ્ગર મિડિયા ફ્રી જ નહીં
સામેથી 1 લાખ રૂ. સાથે મળતું હોય,
તો ય લેવા જેવું નથી.
તમને કેટલા રૂપિયાની ઓફર થાય.
તો તમે ઝેર પીવા તૈયાર થાવ ?

Believe me

વલ્ગર મીડિયાની સામે
આજે તમારો કોઈ જ અવાજ ન ઉઠ્યો
તો આવતી કાલે
તમારા ઘરનું સત્યાનાશ નીકળી ગયું હશે.

Believe me

જો તમે વલ્ગર મીડિયાનો વિરોધ નથી કરતા,
તો તમારા ઘરમાં ઘુસી આવેલ
Group - Murder કરનારનો
તમે વિરોધ નથી કરતા.

Believe me

તમારી નબળી કડીનો ગેરહાથદો લઈને
તમારા Total Future માં આગ લગાડીને
વલ્ગર મીડિયા પોતાની રોકડી કરી લેવા માંગે છે.

Think Well

What Should you do ?

Believe me

વલાર મિડિયા તમને બિલકુલ મનોરંજન નથી આપતું,
એ તમને બરબાદ કરીને
પોતાનો ધંધો કરી રહ્યું છે.

Believe me

વલાર મીડિયા એક મીઠી છરી છે.
જે તમારું ગળું કાપી રહી છે.
તમને સારું લાગે છે
પણ
તમે મરી રહ્યા છો.

Believe me

વલાર મીડિયા
બહુ જ ગમતી રીતે
તમારા ગળામાં ફાંસીનો ફંદો પહેરાવી રહ્યું છે.

Believe me

વલાર મીડિયા તમને એક Attractive car
આપી રહ્યું છે.
એનો Color, Look, Speed
બધું જ Extra Ordinary છે.
એની Ride તમને 100% હવામાં ઉડવાનો
Experience કરાવશે.
But
એમાં Break નથી.

એનો Definitely Accident થવાનો છે.

તમે એમાં બેઠા

એટલે તમારા છોતરાં નીકળી જવાના છે. Definitely

Believe me

વલ્ગર મીડિયાના દરેક પ્રોગ્રામની દરેક સેકન્ડે

તમારા મનમાં એક નવો Time - Bomb મુકાય છે.

એ કુટશે

ને તમે ખલાસ થઈ જશો.

* _ * _ *